MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 31 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-240

मोदी लाए ख़ज़ाना

मध्य एशिया में भारत की पकड़ मज़बूत

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

मध्य एशिया में उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान जैसे देश भारत की कूटनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। चीन और अमेरिका सहित कई देश इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने में जुटे हैं, वहीं पाकिस्तान भी लगातार अपने हित साधने की कोशिश करता रहा है। ऐसे भू-राजनीतिक माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उज्बेकिस्तान दौरा भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई रफ्तार देने वाला माना जा रहा है।

ताशकंद में प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। इसमें व्यापार और निवेश से लेकर रक्षा सहयोग, डिजिटल संपर्क, ऊर्जा, शिक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने सहित सहयोग के कई नए क्षेत्रों पर चर्चा हुई। खास बात यह रही कि दोनों नेताओं ने विकसित भारत-2047 और उज्बेकिस्तान-2030 के साझा विकास लक्ष्यों को लेकर भी अपना दृष्टिकोण साझा किया।

मध्य एशिया में तेजी से बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच भारत के लिए उज्बेकिस्तान का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा केवल द्विपक्षीय रिश्तों तक सीमित नहीं है, बल्कि मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक मौजूदगी और साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है।

इस दौरे में इतिहास और विरासत की झलक भी दिखाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री स्मारक और ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज स्थित महात्मा गांधी केंद्र का दौरा किया। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे से दोनों देशों के रिश्तों की नई दिशा भी तय हुई।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी का अगला बड़ा पड़ाव बिश्केक में होने वाला शंघाई सहयोग संगठन का शिखर सम्मेलन है, जहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात होनी है। ऐसे में सवाल यह है कि मध्य एशिया में भारत को सर्वोच्च सम्मान मिलने के साथ क्या यह दौरा केवल मुलाकातों तक सीमित है या ऊर्जा, खनिज और रणनीतिक पहुंच के लिहाज से भारत के लिए ठोस उपलब्धियां लेकर आया है?

यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति पर बनी सहमति

ताशकंद में प्रधानमंत्री मोदी ने केवल दोस्ती की तस्वीर नहीं बनाई, बल्कि भारत की ऊर्जा और रणनीतिक जरूरतों के लिए एक बड़ा रास्ता भी खोला। राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने साफ किया कि दोनों देश अपने रिश्तों को केवल रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि इसे व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अगले स्तर तक ले जाएंगे।

सबसे बड़ा ऐलान यूरेनियम को लेकर हुआ। उज्बेकिस्तान पहले से ही भारत को यूरेनियम की आपूर्ति कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए व्यवस्था बनाने पर सहमति बनी।इसका अर्थ है कि भारत की परमाणु ऊर्जा जरूरतों के लिए एक और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता जुड़ रहा है। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत वर्ष 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को बड़े स्तर तक ले जाने के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहा है। ▶8पर

पीएम मोदी ने दर्ज किया नया इतिहास

ताशकंद में प्रधानमंत्री मोदी ने नया इतिहास दर्ज किया। प्रधानमंत्री मोदी पहले भारतीय नेता हैं, जिन्हें उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान ङ्गऑर्डर ऑफ ओली दराजली दोस्तलिकफ प्रदान किया।

राष्ट्रपति के हाथों मिला यह सम्मान महज एक पदक नहीं, बल्कि मध्य एशिया के दिल में भारत की बढ़ती जगह का संकेत माना जा रहा है। जब कोई देश अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से किसी विदेशी नेता को सम्मानित करता है तो यह दोनों देशों के रिश्तों की गहराई और आपसी विश्वास को दर्शाता है।

सवाल यह है कि आखिर उज्बेकिस्तान ने प्रधानमंत्री मोदी को यह सर्वोच्च सम्मान क्यों दिया और दुनिया के किन-किन देशों ने भारत के प्रधानमंत्री को ऐसे सम्मान से नवाजा है?

उज्बेकिस्तान यह सम्मान उन विदेशी नेताओं को देता है, जो उज्बेकिस्तान के साथ साझेदारी, आपसी सम्मान और विश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ताशकंद ने इसे भारत-उज्बेकिस्तान मित्रता और रणनीतिक साझेदारी के उभार का प्रतीक बताया है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह चौथी उज्बेकिस्तान यात्रा है और अब भारत के साथ दोनों देशों के रिश्ते व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक पहुंच गए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और संपर्क के क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ रहा है।

हैदराबाद में क्रिकेट का नया साम्राज्य!

फ्यूचर सिटी में बनेगा विशाल स्टेडियम

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 30 अगस्त।

क्रिकेट के मैदान पर हैदराबाद अब एक ऐसी छलांग लगाने की तैयारी में है, जो शहर की पहचान को देश की सीमाओं से कहीं आगे ले जा सकती है। तेलंगाना की महत्वाकांक्षी फ्यूचर सिटी में एक ऐसे विश्वस्तरीय क्रिकेट स्टेडियम की योजना सामने आई है, जिसकी दर्शक क्षमता अहमदाबाद के 1.32 लाख सीट वाले नरेंद्र मोदी स्टेडियम से भी अधिक रखने का प्रस्ताव है।

अगर यह योजना प्रस्तावित स्वरूप में साकार होती है, तो हैदराबाद को दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियमों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने का मौका मिल सकता है। यह केवल एक स्टेडियम नहीं होगा, बल्कि भविष्य के हैदराबाद में क्रिकेट, खेल पर्यटन, मनोरंजन और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों का नया केंद्र बनने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

प्रस्ताव के मुताबिक स्टेडियम के लिए जमीन तेलंगाना सरकार उपलब्ध कराएगी, जबकि इसके निर्माण और भविष्य के रखरखाव का खर्च भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा उठाए जाने की योजना है।

इस व्यवस्था से राज्य सरकार पर परियोजना का बड़ा वित्तीय बोझ कम होने के साथ-साथ अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्टेडियम विकसित किए जाने की संभावना है।

फ्यूचर सिटी में प्रस्तावित स्टेडियम की लोकेशन को इसकी सबसे बड़ी खूबियों में गिना जा रहा है। इसे हैदराबाद के आउटर रिंग रोड प्रस्तावित रीजनल रिंग रोड राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और प्रस्तावित मेट्रो नेटवर्क से बेहतर कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है।

यानी देश-विदेश से आने वाले क्रिकेट प्रशंसकों के लिए स्टेडियम तक पहुंचना आसान बनाने की योजना है। बड़े मैचों के दौरान लाखों दर्शकों की आवाजाही को देखते हुए सड़क, एयरपोर्ट और मेट्रो का यह नेटवर्क परियोजना को खास महत्व देता है।

इतनी बड़ी क्षमता वाला स्टेडियम बनने का असर केवल क्रिकेट मैचों तक सीमित नहीं रहेगा। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों, आईपीएल मैचों, बड़े खेल आयोजनों और मनोरंजन कार्यक्रमों के आयोजन से आसपास के क्षेत्र में होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन, पर्यटन और अन्य व्यवसायों को भी बढ़ावा मिल सकता है। फ्यूचर सिटी को आधुनिक शहरी विकास के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजनाओं के बीच ऐसा स्टेडियम शहर की नई पहचान का हिस्सा बन सकता है।

अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम फिलहाल 1.32 लाख दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम माना जाता है। अब यदि हैदराबाद में उससे अधिक क्षमता वाला स्टेडियम बनता है तो क्रिकेट स्टेडियमों की वैश्विक तस्वीर में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

यह परियोजना साकार होने पर हैदराबाद केवल आईटी और फार्मा के लिए ही नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय खेल आयोजनों के लिए भी अपनी अलग पहचान बना सकता है।हालांकि, स्टेडियम की अंतिम दर्शक क्षमता, निर्माण की समयसीमा, डिजाइन और परियोजना की अन्य तकनीकी जानकारी पर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। इसलिए फिलहाल इसे प्रस्तावित परियोजना के रूप में ही देखा जाना चाहिए। फ्यूचर सिटी की जमीन पर यदि यह सपना आकार लेता है, तो आने वाले वर्षों में यहां सिर्फ चौके-छक्कों की गूंज नहीं होगी, बल्कि हैदराबाद के बदलते वैश्विक स्वरूप की भी झलक दिखाई देगी।

केंद्र ने एक देश, एक समय की दिशा में बढ़ाया क़दम

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

देशभर में समय को लेकर एक समान और सटीक व्यवस्था लागू करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। नए नियमों के तहत भारतीय मानक समय (आईएसटी) देशभर में कानूनी, प्रशासनिक, व्यावसायिक और अन्य आधिकारिक कामकाज के लिए साझा समय संदर्भ होगा। ये नियम आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 180 दिन बाद लागू होंगे।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसे भारत के लिए एक मानक समय निर्धारित करना बताते हुए कहा कि डिजिटल भुगतान से लेकर रेल यात्रा तक भारत को चलाने में सटीक समय की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि नए नियम लागू होने के बाद आईएसटी पूरे भारत में साझा समय संदर्भ बनेगा, जिससे रोजमर्रा की प्रणालियों में सटीकता और बेहतर तालमेल आएगा।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बीते गुरुवार को विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है। नियमों को लागू करने से पहले 180 दिनों का समय इसलिए दिया गया है, ताकि केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभाग, कारोबारी संस्थान, विभिन्न संस्थाएं और अन्य संगठन अपने मौजूदा तंत्र में आवश्यक तकनीकी बदलाव कर सकें।

आखिर क्यों पड़ी नए नियमों की जरूरत?

डिजिटल और प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों का इस्तेमाल बढ़ने के साथ सटीक समय की जरूरत भी काफी बढ़ गई है। बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, दूरसंचार, रेलवे, बिजली व्यवस्था, कंप्यूटर नेटवर्क और सरकारी रिकॉर्ड जैसे ▶8पर

चीनी जनरल झाओ जोंगकी पर शी जिनपिंग का शिकंजा

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का एक बुनियादी सिद्धांत है पार्टी बंदूक को नियंत्रित करती है। यह सिद्धांत चीन के सर्वोच्च नेता रहे माओ जेदांग ने दिया था। माओ जेदांग से लेकर मौजूदा राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शासन प्रणाली में यह सिद्धांत महत्वपूर्ण आधार रहा है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि चीन में कम्युनिस्ट पार्टी सभी प्रतिष्ठानों में सबसे अधिक शक्तिशाली है और सेना पर नियंत्रण कम्युनिस्ट पार्टी का रहेगा, न कि सेना कम्युनिस्ट पार्टी को नियंत्रित करेगी।

आधुनिक चीन के नेता माओ जेदांग का प्रसिद्ध कथन रहा है कि राजनीतिक सत्ता बंदूक की नली से निकलती है, लेकिन बंदूक को पार्टी नियंत्रित करती है। इसका सीधा अर्थ है कि चीन की सेना यानी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी हमेशा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन रहेगी। सेना पार्टी के राजनीतिक लक्ष्यों की सेवा करेगी और अपनी मर्जी से नहीं चलेगी।

माओ जेदांग ने अपने अनुभवों से पाया था कि चीन में पहले कई बार सेना के जनरल तानाशाह बन गए थे या उन्होंने गृहयुद्ध छेड़ दिए थे। माओ नहीं चाहते थे कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी भी उसी रास्ते पर चले। इसलिए उन्होंने स्पष्ट नियम बनाया कि सेना पार्टी का एक उपकरण है। पार्टी सेना को आदेश देगी, सेना पार्टी को नहीं।

चीन के मौजूदा राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी इस सिद्धांत को अपने शासन का आधार मानते हैं। इसके तहत उन्होंने उन जनरलों के अधिकार सीमित किए हैं, जिनकी वफादारी पर उन्हें तनिक भी संदेह हुआ है। इतना ही नहीं, जिनपिंग ऐसे जनरलों के अधीन काम करने वाले अधिकारियों को भी नहीं बख्शते। चीन में सत्ता और शासन व्यवस्था बेहद सख्ती से काम करती है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^{0}
न्यूनतम : 23^{0}

हिंदुत्ववादी नेता धीरेंद्र प्रताप हत्याकांड का खुलासा

ड्राइवर ने साथियों संग रची साजिश

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में हिंदुत्ववादी नेता धीरेंद्र प्रताप सिंह की हत्या के मामले में उनके ड्राइवर रवि की भूमिका सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, धीरेंद्र को दो गोलियां मारी गई थीं। इनमें एक गोली सिर और दूसरी पेट में लगी थी। वारदात के बाद आरोपी ने हत्या की जानकारी छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए पूरी कहानी गढ़ी।

बताया जा रहा है कि ड्राइवर रवि दिनभर धीरेंद्र के परिवार को गुमराह करता रहा। वह कहता रहा कि धीरेंद्र प्रताप सिंह अपने दोस्तों के साथ प्लासियो मॉल गए हैं। आरोपी के मुताबिक, धीरेंद्र ने उससे कहा था कि उन्हें लौटने में समय लगेगा और घर पर इस बारे में नहीं बताना है। रवि ने सिर्फ परिवार ही नहीं, बल्कि पुलिस को भी यही कहानी बताई। उसने कहा कि धीरेंद्र प्लासियो मॉल से अपने दोस्तों के साथ कहीं गए थे और उसके बाद वापस नहीं लौटे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने बताए गए समय और स्थान की जांच शुरू की।

सीसीटीवी ने खोली झूठी कहानी की पोल

पुलिस ने आरोपी रवि द्वारा बताए गए समय के आधार पर प्लासियो मॉल का सीसीटीवी फुटेज खंगाला। जांच के दौरान पुलिस को न तो धीरेंद्र प्रताप सिंह के मॉल में आने का कोई फुटेज मिला और न ही उनकी गाड़ी के वहां पहुंचने की तस्वीर सामने आई। मॉल के सीसीटीवी में धीरेंद्र या उनकी गाड़ी की मौजूदगी नहीं मिलने से पुलिस का शक गहराने लगा। रवि की बताई कहानी और जांच में सामने आ रही जानकारी के बीच अंतर मिलने के बाद पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ शुरू की।

इसी पूछताछ में पुलिस को मामले की दिशा बदलने वाली जानकारी मिली। रवि के जवाबों में विरोधाभास सामने आने के बाद पुलिस ने उससे लगातार पूछताछ की। आखिरकार आरोपी ड्राइवर ने कथित तौर पर पूरी घटना कबूल कर ली। ▶8पर

राहुल के खिलाफ एफआईआर

अनुसूचित वर्ग की भावनाएं आहत करने का आरोप

नैनीताल, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ उत्तराखंड के हल्द्वानी कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई है। अनुसूचित जाति के युवक अमित कुमार की शिकायत पर दर्ज इस प्राथमिकी में राहुल गांधी पर अनुसूचित वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है।

राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 196 और 299 के तहत मामला दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(1) भी शामिल की गई है।

यह मामला हल्द्वानी में कांग्रेस की रैली के बाद किए गए शुद्धिकरण यज्ञ और उसे लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी से जुड़ा है। राहुल गांधी ने इस शुद्धिकरण यज्ञ को दलित विरोधी बताते हुए इस पर सवाल उठाए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि राहुल गांधी की टिप्पणी से अनुसूचित वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

▶8पर

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सेना के बख्तरबंद वाहनों पर हमला, 13 जवान मारे गए, बीएलए ने लिया जिम्मा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में हमले के दौरान सेना के 13 जवानों की जान चली गई। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के आधिकारिक चैनल हुकल ने एक मिनट 38 सेकंड का एक वीडियो जारी किया है। इसमें पाकिस्तान की सेना की बख्तरबंद गाड़ियों को निशाना बनाया गया है। हमले की जिम्मेदारी बीएलए ने ली है।

हुकल मीडिया के हवाले से प्रसारित द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार , बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी के कमांडरों ने मस्तुंग के खड़कोचा इलाके में पाक सेना के काफिले को निशाना बनाते हुए आईईडी विस्फोट में एक बख्तरबंद गाड़ी को तबाह कर दिया, जबकि एक दूसरी बख्तरबंद गाड़ी और उसके साथ चल रही गाड़ियों पर भी घात लगाकर हमला किया।

बीएलए के मुताबिक, इस हमले में 13 सैनिक मारे गए और 10 से ज्यादा घायल हो गए। बीएलए प्रवक्ता ने कहा कि इस आपरेशन में संगठन के स्पेशल टैक्टिकल आपरेशन स्क्वाड (एसटीओएस) ने भी हिस्सा लिया है। एसटीओएस को फतेह स्क्वायड के नाम से भी जाना जाता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बीएलए कमांडर काफिले के आने से पहले एक पुल के नीचे बड़ी मात्रा में विस्फोटक लगा रहे हैं और जैसे ही बख्तरबंद गाड़ियों का काफिला आता है। काफिले की एक गाड़ी एक जोरदार धमाके से तबाह हो जाती है। वीडियो में हमले के बाद ड्रोन से लिए गए फुटेज भी दिखाए गए हैं।

बीएलए पाकिस्तान का सशस्त्र संगठन है। बोलान जिले में 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बीएलए ने हाईजैक कर 180 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया गया था। इस घटना को भी बीएलए की फिदायीन यूनिट मजीद ब्रिगेड ने अंजाम दिया था। इसमें मजीद ब्रिगेड की स्पेशल टैक्टिकल आपरेशन स्क्वाड (एसटीओएस/इसे फतेह स्क्वायड भी कहते हैं) ने भी मदद की।

बीएलए की स्थापना 2000 में बलोचिस्तान को पाकिस्तान से स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से की गई। बीएलए ने पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों, सरकारी प्रतिष्ठानों, विशेष रूप से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे और चीन पोषित परियोजनाओं पर लगातार हमले किए हैं। बीएलए के आपरेशंस आमतौर पर मजीद ब्रिगेड, स्क्वायड और आत्मघाती दस्ते करते हैं। यह इकाइयां मुख्य रूप से गुरिल्ला हमलों के लिए जानी जाती हैं। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने अपनी गतिविधियों को पेशेवर तरीके से संगठित किया है।

न्यूज ब्रीफ

बिलावल भुट्टो जरदारी को पसंद आई यूरोप की लड़की, साल के आखिर तक शादी संभव!

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने अपनी होने वाली जीवनसाथी की खोज कर ली है। वो यूरोप में रहती हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि उनके पिता और पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी अपनी होने वाली बहू के परिवार से मिल भी आए हैं। बिलावल की शादी की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उनके सिर पर साल के आखिर तक शादी का सेहरा सज सकता है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बिलावल की कथित मंगेतर लिकटेंस्टीन की राजधानी वादुज में रहती हैं। सूत्रों का यह भी दावा है कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी अपने बेटे की शादी की तारीख तय करने और इस पर बातचीत करने के लिए परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वादुज जा चुके हैं। खबरों में यह भी दावा किया गया है कि बिलावल की शादी इस साल के आखिर में हो सकती है। हालांकि, बिलावल के प्रवक्ता और कराची के मेयर मुर्तजा वहाब ने सोशल मीडिया पर कहा कि पीपीपी चेयरमैन की सगाई या शादी के बारे में खबरें गलत और बेबुनियाद हैं। लिकटेंस्टीन पश्चिमी यूरोप का एक छोटा सा स्वतंत्र देश है। यह स्विट्जरलैंड और आस्ट्रिया के बीच स्थित है। बिलावल पहले शादी के बारे में सार्वजनिक रूप से बात कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने होने वाली जीवनसाथी या शादी की तारीख के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। 2022 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के दौरान एक पत्रकार ने बिलावल से उनकी शादी की योजनाओं के बारे में पूछा था। मुस्कुराते हुए, तत्कालीन विदेशमंत्री बिलावल ने जवाब दिया, बेशक, मेरी शादी करने की योजना है, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि वह कब शादी करने का इरादा रखते हैं, तो उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी। बिलावल ने 2016 में भी इस विषय पर बात की थी और कहा था कि उनकी होने वाली दुल्हन को सबसे पहले उनकी बहनों का दिल जीतना होगा। और किसी भी लड़की के लिए मेरी बहनों का दिल जीतना बहुत मुश्किल काम है।

रूसी नागरिक को अमेरिकी विमान पुर्जों की रूस में तस्करी का दोषी ठहराया गया

वाशिंगटन। फ्लोरिडा की फेडरल जूरी ने 62 वर्षीय रूसी नागरिक अलेक्जेंडर मामोनोव को अमेरिकी विमान पुर्जों की गैर-कानूनी रूप से रूस और उसकी सरकारी एयरलाइन एरोफ्लोट को तस्करी करने का दोषी ठहराया है। मामोनोव पर एक्सपोर्ट कंट्रोल रिफार्म एक्ट का उल्लंघन करने की साजिश, तस्करी और मनी लान्ड्रिंग सहित सभी 12 आरोप साबित हुए हैं। अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया कि 9,00,000 डालर से अधिक मूल्य के इन पुर्जों का निर्यात नियमों का उल्लंघन कर किया गया था। मामोनोव को 20 नवंबर को सजा सुनाई जाएगी। अभियोजकों के अनुसार, मामोनोव, जो एरोफ्लोट का पूर्व कर्मचारी था, ने इग्नात वाकोरिन (जो अभी भी फरार है) के साथ मिलकर योजना को अंजाम दिया। उन्होंने अमेरिका में सप्लायर्स से पुर्जे हासिल किए और यह कहकर उनकी असली मंजिल छिपाई कि वे चीन या संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में भेजे जाएंगे। हालांकि, इन पुर्जों को रूस और एरोफ्लोट को भेज दिया गया। यह योजना फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के बड़े हमले के बाद शुरू हुई थी, जब अमेरिका ने रूस को निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे, जिसमें एरोफ्लोट को अमेरिकी निर्मित सामान लेने से भी रोक दिया गया था। एफबीआई के असिस्टेंट डायरेक्टर रोमन रोजाव्स्की ने कहा, मामोनोव ने करीब दस लाख डालर के एविएशन पार्ट्स गैर-कानूनी रूप से निर्यात किए और दोषी ठहराया जाना इसके लिए जिम्मेदार ठहराता है। उन्होंने चेतावनी दी कि एफबीआई प्रतिबंधों और निर्यात-नियंत्रण कानूनों को लागू करने को प्राथमिकता देती रहेगी।

अमेरिका में एच-1बी ग्रेस पीरियड खत्म करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

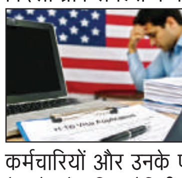

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और दूसरे विदेशी प्रोफेशनल्स के लिए नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाले 60 दिन के ग्रेस पीरियड को खत्म करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के 60-दिन की वैकल्पिक रियायती अवधि को खत्म करना का प्रस्ताव 6 अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को सौंपा गया था। आधिकारिक रेगुलेटरी रिकार्ड के मुताबिक 27 अगस्त को समीक्षा पूरी हुई और इसे बदलाव के साथ सहमत के तौर पर दर्ज किया गया। इसका मतलब है कि प्रस्ताव में कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया पूरी हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह प्रस्ताव अभी पब्लिश नहीं किया गया है और इसकी पूरी शर्तें अभी उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए अभी 60 दिन की सुरक्षा वाली मौजूदा व्यवस्था लागू रहेगी। अगला कदम आम तौर पर प्रस्तावित नियम को फेडरल रजिस्टर में पब्लिश करना होगा, जिसके बाद लोगों की राय जानने के लिए एक समय-सीमा तय की जाएगी।

नेपाल में सड़ने-गलने लगे शव, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में महामारी फैलने का खतरा

काठमांडू

नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में मारे गए लोगों और पशुओं के शव सड़ने-गलने से प्रभावित क्षेत्रों में महामारी और संक्रामक रोग फैलने का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ में सैकड़ों लोग लापता हुए हैं, जिनमें से बहुत कम लोग जीवित मिले हैं, जबकि अधिकांश के शव अब तक नहीं मिले हैं।

बाढ़ में हजारों पशु बह गए या मारे गए हैं, लेकिन उनके शवों के प्रबंधन की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है। चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि इससे महामारी का रूप भयावह हो सकता है। इसलिए समय रहते तैयारी और सावधानी जरूरी है।

इधर-उधर बिखरे शवों के कारण हैजा, दस्त, स्क्रब टाइफस, रोटावायरस, टाइफाइड, हेपेटाइटिस-ए और ई, लेप्टोस्पायरोसिस, डेंगू, मलेरिया, त्वचा संबंधी संक्रमण और श्वसन संक्रमण फैलने की आशंका को लेकर संक्रामक रोग विशेषज्ञ चिंतित हैं। वरिष्ठ संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. शेरबहादुर पुन ने चेतावनी दी कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल स्वास्थ्य संबंधी सतर्कता नहीं अपनाई गई तो सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है।

उन्होंने कहा, सिर्फ इंसान ही नहीं, हजारों की संख्या में पशु भी मारे गए हैं। अब धीरे-धीरे उनके सड़ने और गलने की स्थिति बनने लगी है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। अनावश्यक लोग भी वहां जाते दिखाई दे रहे हैं। कुछ लोग तो केवल देखने के लिए जा रहे हैं। अगर किसी एक व्यक्ति को कोई संक्रामक रोग हो गया तो वह पूरे देश में फैल सकता है। बाढ़ का अनुमान नहीं था, लेकिन बीमारी के फैलने का अनुमान लगाया जा सकता है। सरकार और नागरिक समाज को समय रहते सतर्क होना चाहिए।

फिलहाल बाढ़ प्रभावित लोग सामूहिक रूप से रह रहे हैं। उनका खान-पान और रहने की व्यवस्था एक ही जगह पर है। डा. पुन के मुताबिक, टेंट या खुले स्थानों में रहने के दौरान मच्छर और अन्य कीड़े लोगों को काट सकते हैं और इसके जरिए एक-दूसरे में संक्रमण फैल सकता है।

उन्होंने कहा, विस्थापित लोगों के सामूहिक रूप से रहने वाले स्थानों पर अगर पेयजल और गैर-खाद्य सामग्री का वितरण व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया

तो स्थिति बदतर हो सकती है। खास तौर पर पानी से होने वाले रोग, हवा से फैलने वाले संक्रमण और दस्त संबंधी बीमारियों के फैलने का खतरा है। स्क्रब टाइफस का जोखिम और भी ज्यादा है। ऐसे समय में कीटों से फैलने वाली बीमारियों का भी अत्यधिक खतरा होता है। इसलिए सरकार को उनके स्वस्थ खान-पान और सुरक्षित रहने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

डा. पुन ने सुझाव दिया कि पानी को उबालकर या क्लोरीन का इस्तेमाल करने के बाद ही पीना चाहिए, नियमित रूप से साबुन-पानी से हाथ धोने चाहिए, अस्थायी शिविरों में शौचालय और कचरा प्रबंधन को प्रभावी बनाना चाहिए तथा बुखार, दस्त, उल्टी या त्वचा में संक्रमण के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य संस्थान पहुंचना चाहिए।

बाढ़ ने रसुवा और नुवाकोट में हजारों घरों और अन्य संरचनाओं को पूरी तरह तबाह कर दिया है। इन घरों में रहने वाले कई लोग लापता हैं और उनके पाले हुए पशु मारे गए हैं। बाढ़ में बहकर आए लोगों के शव धादिङ, गोरखा, तनहुँ, चितवन और नवलपरासी पूर्व तक मिले हैं। जहां सरकार के लिए इंसानों के शवों का प्रबंधन करना ही चुनौतीपूर्ण हो रहा है, वहीं मरे हुए पशुओं के शवों के प्रबंधन पर अभी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मृत पशुओं के सड़ने और उनसे जीवाणु फैलने का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

मुख्य प्रभावित क्षेत्रों में रसुवा और त्रिशूली अस्पताल को छोड़कर अन्य स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र या तो पूरी तरह नष्ट हो गए हैं या काम करने की स्थिति में नहीं हैं। सेना, नेपाल पुलिस और स्वास्थ्य मंत्रालय स्वास्थ्य शिविर चला रहे हैं। हालांकि, उपचार के लिए ये शिविर पर्याप्त नहीं हैं। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डा. सुधा शर्मा ने कहा कि इस समय संक्रामक रोग फैलने का खतरा अधिक है, इसलिए विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, अभी शव जगह-जगह बिखरे हुए हैं, कुछ शव टुकड़ों में भी पड़े हो सकते हैं। पशु तो और भी बड़ी संख्या में मरे हैं। इससे घातक बीमारियां फैलने का खतरा है। विस्थापित बस्तियों के लोगों को सामूहिक रूप से रखा गया है। ऐसी स्थिति में अगर स्वच्छता का थोड़ा भी ध्यान नहीं रखा गया तो दस्त और निमोनिया जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। गर्भवती महिलाओं, बच्चों और नवजात शिशुओं में ज्यादा समस्याएं हो सकती हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री का वादा, जलप्रलय में लापता हर व्यक्ति को बचाने का प्रयास होगा प्रत्येक प्रभावित को किया जाएगा पुनर्वासित

काठमांडू

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने नेपाल में जलप्रलय के बाद चल रहे राहत और बचाव कार्यों के बीच कहा कि बाढ़ में लापता हर व्यक्ति को बचाने का प्रयास किया जाएगा। सरकार उम्मीद की अंतिम किरण तक खोज और बचाव अभियान जारी रखेगी। उन्होंने वादा किया कि प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति सरकार पुनर्वासित करेगी। उन्होंने राहत और पुनर्निर्माण के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की प्रतिबद्धता दोहराई।

रिपोर्ट के अनुसार, शाह ने फेसबुक पोस्ट में इस आपदा से हुई तबाही की जानकारी देते हुए कहा कि रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग में नदी के निचले इलाकों में रहने वाले समुदायों को बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि प्रभावित हर नागरिक की जान बचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शाह ने मुश्किल इलाकों और खराब मौसम के बीच चला रहे खोज और बचाव अभियान पर कहा कि अब तक 7,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इनमें विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं की साइटों पर फंसे 279 कर्मचारी भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इस महाअभियान में नेपाली सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के 18,708 सुरक्षाकर्मी 16 हेलीकाप्टरों (सैन्य और निजी) के साथ तैनात हैं। इन सबने अब तक 236 बचाव अभियान पूरे किए हैं। भारत और चीन के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भी जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं। जोखिम भरे इलाकों में काम कर रहे अग्रिम पंक्तियों के कर्मियों का मनोबल बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री ने तैनात सुरक्षा बलों के लिए दैनिक नाश्ते के लिए भत्ता और

प्रोत्साहन राशि में तत्काल बढ़ोतरी की घोषणा की।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री राहत कोष में कमर्शियल अकाउंट्स के जरिए 5.04 बिलियन एनपीआर और 1.8 मिलियन यूएसडी जमा हुए हैं। इसका विवरण आधिकारिक रेस्क्यू रिक्वेस्ट पोर्टल पर सार्वजनिक रूप से देखा जा सकता है। उन्होंने नागरिकों और दानदाताओं से अपील की कि वे धोखाधड़ी से बचने के लिए सिर्फ आधिकारिक सरकारी क्यूआर कोड के जरिए ही योगदान दें। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी मदद मिली है।

वह इस प्रकार है- 167 मिलियन यूएसडी का रियायती लोन (वर्ल्ड बैंक), 5 मिलियन यूएसडी की ग्रांट और 150,000 यूएसडी की तकनीकी मदद (एडीबी), 500,000 यूएसडी (अमेरिका), 1 मिलियन एयूडी (आस्ट्रेलिया), और 1 मिलियन स्विस फ्रैंक (यूएन के जरिए स्विट्जरलैंड)।

उन्होंने कहा कि भारत ने 57.5 टन इमरजेंसी मेडिकल और मानवीय सहायता सामग्री के साथ-साथ 2,000 एयरटाइट बाडी बैग पहुंचाए हैं। चीन भी इसी तरह की मानवीय सहायता और बाडी बैग भेज रहा है। नेपाल ने नष्ट हो चुके नदी क्रासिंग को ठीक करने के लिए बीजिंग से 30 बेली ब्रिज की औपचारिक रूप से मांग की है। शाह ने पुष्टि की कि आठ जिलों से 675 शव बरामद किए गए हैं।

1500 साल पूर्व सांप-छिपकली खाकर जिंदा रहते थे लोगः अध्ययन

अम्मान। इजरायल और जार्डन के पास रहने वाले नटुफियन शिकारी समुदाय के लोग अपनी भूख मिटाने के लिए सांपों और छिपकलियों का शिकार करते थे। इस चौंकाने वाले सच का खुलासा माउंट कार्मेल की गुफाओं में मिले प्राचीन अवशेषों और हड्डियों की गहन पड़ताल ने किया है। यह रिसर्च उस दौर के इंसानों की अद्भुत अनुकूलन क्षमता और सर्वाइवल स्किल्स को उजागर करती है, जब उन्होंने रेगिस्तान में जीवन यापन करने के लिए बड़े और कम खतरनाक सरीसृपों को अपना भोजन बनाया। ताजा शोध से पता चला है कि दक्षिण लेवांत क्षेत्र में बसे नटुफियन समुदाय के ये शिकारी खेती से अनजान थे और रेगिस्तानी इलाकों की चुनौतियों का सामना कर रहे थे। माउंट कार्मेल नेचर रिजर्व में 20 परतों वाली पुरातात्विक साइट अल-वाद टेरेस पर हुई खुदाई में मिली हजारों सांपों और छिपकलियों की हड्डियों ने इस बात की पुष्टि की है। जर्मनी की कील यूनिवर्सिटी की आर्कियोलाजिस्ट मायन लेव के नेतृत्व में एक टीम ने इन अवशेषों का अध्ययन किया। मायन लेव ने बताया, हमने उन सरीसृपों के अवशेषों की पहचान की, जो या तो प्राकृतिक रूप से मर गए थे या जिन्हें इंसानों ने भोजन के रूप में इस्तेमाल किया था।

हिरोसाकी किले को 1800 लोगों ने रस्सियों से खींचकर पुरानी जगह पहुंचाया

इमारत को तोड़ने के बजाय रोलर्स और रेल की मदद से धीरे-धीरे किया जा रहा शिफ्ट

टोक्यो

जापान में 400 साल पुराने ऐतिहासिक हिरोसाकी कैसल (किले) को उसकी पुरानी जगह पर वापस पहुंचाने के लिए करीब 1800 लोगों ने रस्सियों के सहारे 360 टन वजनी किले के मुख्य टावर को खींचा। यह अनोखी कवायद देश के आओमोरी प्रांत में हुई और इसमें पारंपरिक जापानी तकनीक का इस्तेमाल किया गया। प्रतिभागियों ने 30 मीटर लंबी रस्सियों को खींचते हुए किले के टावर को रेल जैसी पटरी पर आगे बढ़ाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टावर को 1.13 मीटर और 1.09 मीटर यानी कुल 2.22 मीटर आगे खिसकाया गया। लोगों बारी-बारी से रस्सियां खींचती रहे और पूरे अभियान में उत्साह बढ़ाने के लिए जापानी नारे लगाए गए। इस अभियान के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह दिखा। आयोजकों को 1800 स्थानों के लिए करीब 8,000 आवेदन मिले यानी उपलब्ध अवसरों से करीब चार गुना ज्यादा। प्रतिभागी सिर्फ हिरोसाकी शहर से ही नहीं, बल्कि जापान के दूसरे हिस्सों और विदेशों से भी पहुंचे।

रिपोर्ट के मुताबिक किले को खींचने के लिए हिकिया तकनीक अपनाई गई। इसमें किसी ऐतिहासिक इमारत को तोड़ने के बजाय उसे रोलर्स और रेल की मदद से धीरे-धीरे दूसरी जगह ले जाया जाता है। हिरोसाकी कैसल के अधिकारियों के मुताबिक यह तकनीक प्राचीन जापान में इस्तेमाल होती रही है और करीब एक सदी बाद पहली बार किसी किले को इस तरह स्थानांतरित करने में इसका इस्तेमाल हुआ है। हिरोसाकी कैसल की पत्थर की दीवार को भूकंप से नुकसान पहुंचा था। इसकी मरम्मत के लिए 2015 में करीब 360 टन वजनी मुख्य टावर को उसकी मूल जगह से हटाकर करीब 80 मीटर दूर ले जाया गया था। दीवार की मरम्मत दिसंबर 2024 में पूरी हुई और उसके 2,185 पत्थरों को उनकी मूल स्थिति में दोबारा लगाया गया।

अब टावर को वापस लाने का काम चल रहा है। अगस्त के अंत तक करीब 4,100 लोगों की मदद से इसे हाथों से कुल पांच मीटर तक खींचने की योजना है। इसके बाद बाकी करीब 73 मीटर की दूरी मशीनों की मदद से तय की जाएगी और पूरे साल के अंत तक टावर को उसकी मूल जगह पर वापस पहुंचाने का लक्ष्य है। बता दें हिरोसाकी कैसल का निर्माण 1611 में हुआ था। मौजूदा मुख्य टावर 1810 में बनाया गया था। यह जापान में बचे केवल 12 ऐतिहासिक किला-टावरों में शामिल है और उत्तर-पूर्वी तोहोकू क्षेत्र में ऐसा एकमात्र टावर है।

डा. भागवत का न्यूयार्क में उद्बोधन, अमेरिका कहने पर बहुलतावाद का बोध और भारत बोलने मात्र से विविधता में एकता का अहसास

न्यूयार्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने कहा कि भारत के लिए एकता और विविधता-दोनों उसके स्वभाव में ही अन्तर्निहित हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि राष्ट्र केवल भौगोलिक इकाइयां नहीं होते। राष्ट्र एक दायित्व का निर्वाह करते हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि प्रत्येक राष्ट्र के पास संसार को देने के लिए एक संदेश, पूर्ण करने के लिए एक ध्येय और साकार करने के लिए एक नियति होती है। उन्होंने यह विचार यहां के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एहेड फोरम के तत्वावधान में आयोजित सार्वभौमिक एकात्मता समारोह में व्यक्त किए।

डा. भागवत के उद्बोधन के प्रमुख बिंदु

एक- बहुलतावाद और विविधता में एकता - जब हम संयुक्त राज्य अमेरिका कहते हैं, तब एक शब्द जिसकी प्रायः चर्चा होती है, वह है- बहुलतावाद (Pluralism)। और जब हम भारत कहते हैं, तब एक अन्य शब्द, एक अन्य भाव-वाक्य सामने आता है- विविधता में एकता (Unity in diversity) भारत के लिए एकता और विविधता—दोनों उसके स्वभाव में ही अन्तर्निहित हैं।

दो- राष्ट्र का ध्येय और दायित्व - राष्ट्र केवल भौगोलिक इकाइयां नहीं होते। राष्ट्र एक दायित्व का निर्वाह करते हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि प्रत्येक राष्ट्र के पास संसार को देने के लिए एक संदेश, पूर्ण करने के लिए एक ध्येय और साकार करने के लिए एक नियति होती है।

तीन- भारत की नियति - भारत को कौन-सी नियति प्राप्त हुई है भारत का दायित्व है कि वह विविधता में एकता के इस सत्य का साक्षात्कार करे और समय-समय पर संसार को भी इस सत्य का साक्षात्कार कराए। हम एक हैं और विविधता के कारण हमारी यह एकता और भी सुशोभित होती है। अतः विविधता का उत्सव मनाया जाना चाहिए, उसका सम्मान किया जाना चाहिए और उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। साथ ही, हमें अपने भीतर एकात्मता के इस भाव को सदैव बनाए रखना चाहिए।

चार- मानव का वैश्विक दायित्व - जो विचारशील मनुष्य उचित और अनुचित का ज्ञान रखते हैं, उनका दायित्व है कि वे सम्पूर्ण विश्व को धारण और संरक्षित रखने में अपना उत्तरदायित्व निभाएं।

पांच- विचार की दिशा - यदि आप सम्यक प्रकार से विचार करते हैं, तो आप ईश्वर के निकट जा सकते हैं। यदि आप अनुचित ढंग से विचार करते हैं, तो आप पशु-जगत के निकट जा सकते हैं। अतः दिशा महत्त्वपूर्ण है।

छह- उत्तरदायी नागरिक - जो व्यक्ति अपने जीवन को उचित दिशा के अनुसार ढालता है, वह ईश्वर के राज्य का उत्तरदायी नागरिक बन जाता है।

सात-मनुष्य की विशिष्टता—विचार - एक ऐसी विशेषता जो मनुष्य को पशुओं से भिन्न बनाती है, वह है—विचार करने की क्षमता। यदि मनुष्य सम्यक विचार करे, तो वह सम्पूर्ण विश्व को धारण कर सकता है।

आठ- उचित-अनुचित का विवेक और एकता - मनुष्य विश्व के प्रति उत्तरदायी है, क्योंकि उसमें उचित और अनुचित का विवेक है। इसलिए मनुष्य विविधता के बावजूद एकता का साक्षात्कार कर सकता है।

नौ- अन्तर्निहित एकत्व - हमारे शरीर भिन्न हैं और बाह्य रूप से सब कुछ अलग दिखाई देता है, फिर भी हमारे भीतर कुछ ऐसा है जो समान है। हम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हम परस्पर के हैं।

10-अस्तित्व की एकता अस्तित्व की एकता — यही हमारा सत्य है।

11- विश्व दृष्टि - संसार को एक देखना हमारी दृष्टि है।

12- दो जीवन-दृष्टियां - एक प्रवृत्ति थी— जियो और जीने दो।

दूसरी प्रवृत्ति थी— जियो और केवल उन्हीं को जीने दो जो हमारी आज्ञा मानें।

श्री जैन श्रावक संघ कोरा सिख विलेज में रक्षाबंधन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्रावक संघ, कोरा सिख विलेज, सिकंदराबाद के तत्वावधान में एवं महासति आगमश्रीजी म.सा. एवं महासती धैर्याश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-2 के सानिध्य में आज आनंद जैन भवन में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर महासती धैर्याश्रीजी म.सा. के संसारी परिवार, जालना से पधारे सदस्यों का श्री संघ के सदस्यों द्वारा शाल, माला एवं चुनरी की साड़ी भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

आज के संपूर्ण रक्षाबंधन कार्यक्रम के लाभार्थी सूरज भाई सुमतिलालजी सुराणा परिवार, बोलाराम वाले रहे। श्री संघ के सदस्यों द्वारा लाभार्थी परिवार का भी स्वागत एवं सम्मान किया गया। वहीं बच्चों के संपूर्ण शिविर के लाभार्थी फतेहचंद, अनिल कुमार एवं आशाजी कटारिया परिवार का भी स्वागत किया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें थाली सजावट प्रतियोगिता प्रमुख रही। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में आशाजी कटारिया एवं निर्मलजी गांधी रहे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान

प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

इसके अलावा श्रेष्ठ भाई-बहन की जोड़ी के चयन के लिए भी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जोड़ी को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को भी उचित पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

गौतम प्रसादी का आयोजन

कार्यक्रम के पश्चात लाभार्थी परिवार की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया। सभी उपस्थित समाजबंधुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

इस अवसर पर सुबह 11 बजे से बच्चों के धार्मिक शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें 60 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। धार्मिक शिक्षकों एवं महासतीजी के मार्गदर्शन में यह शिविर संचालित किया जा रहा है।

इसके साथ ही 16 साथियों का एकासना भी चल रहा है। धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में समाज के सदस्यों ने विभिन्न कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की जानकारी मंत्री अनिल तातेड़ ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी, जबकि महामंत्री गौतम चांदमुथा ने मंच संचालन किया।

मानवता ही सबसे बड़ा धर्म, राधे-राधे ग्रुप सेवा कार्यों में निरंतर समर्पित : नंदकिशोर अग्रवाल

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास वॉटर टैंक कवर पार्क में रविवार को नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। हम सभी को मिलकर जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य मिलकर अपनी सामर्थ्य के अनुसार नियमित रूप से सेवा कार्य कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि जितना संभव हो सके, जरूरतमंद लोगों तक भोजन और सेवा पहुंचाई जाए। सेवा का यह कार्य केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी सदस्यों के सामूहिक सहयोग और समर्पण का परिणाम है।

नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि समाज के लिए किया गया छोटा-सा सेवा कार्य भी किसी जरूरतमंद के जीवन में बड़ी खुशी ला सकता है। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ मानव सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल एवं वीणा गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री अंजनैया स्वामी मंदिर में विशेष अभिषेक-पूजन

बेंगलूरु, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। यहां मैसूर बैंक सर्किल के पास स्थित सुविख्यात श्रीअंजनैया स्वामी अर्थात् हनुमानजी मंदिर में श्रावण मास के उपलक्ष्य में विशेष अभिषेक-पूजन एवं श्रृंगार आरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मंदिर के समीप ही व्यापक स्तर पर अन्नदान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। करीब पांच हजार से अधिक लोगों के लिए प्रसाद भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें विभिन्न समाज वर्गों के लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना एवं भक्ति कार्यक्रमों में भाग लिया। पूरे परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

मंदिर के अर्चक पुजारी पंडित श्रीधर भट्ट ने बताया कि श्रावण मास के उपलक्ष्य में प्रत्येक शनिवार को चमत्कारी हनुमानजी की प्रतिमा का विभिन्न द्रव्यों से विशेष अभिषेक-पूजन किया जाता है। अभिषेक के बाद श्रृंगार आरती की जाती है तथा अन्नदान के माध्यम से सभी समाज वर्गों के लोगों को भोजन प्रसाद कराया जाता है।

उन्होंने बताया कि श्रावण मास के दौरान होने वाले इन धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान हनुमानजी की पूजा-अर्चना करते हैं और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं।

राजस्थानी जागृति समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी पितृपक्ष मास के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन गुरुवार, 1 अक्टूबर से बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। कथा का आयोजन प्रतिदिन मध्याह्न 3 बजे से शाम 7 बजे तक साई बाबा मंदिर के प्रांगण, एनएम गुड़ा चौरस्ता, अतापुर, हैदराबाद में होगा।

पितृपक्ष मास के अवसर पर आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से रविवार, 30 अगस्त को दोपहर 12.30 बजे साई बाबा मंदिर, एनएम गुड़ा चौरस्ता, अतापुर में श्री केदारनाथ लाठी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित धार्मिक आस्था रखने वाले समाजबंधुओं को समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन से संबंधित संपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के लिए मुख्य यजमान, दैनिक यजमान, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव यजमान तथा श्रीकृष्ण-रुक्मणी मंगल विवाह उत्सव यजमान के लिए धार्मिक आस्था रखने वाले समाजबंधुओं से संपर्क किया जा रहा है।

इस दौरान मुख्य यजमान, दैनिक यजमान एवं भोजन व्यवस्था में सहयोग करने का आश्वासन समाजबंधुओं द्वारा दिया गया।

इस संबंध में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी एवं कोषाध्यक्ष संजय राठी ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी।

बैठक को संबोधित करते हुए केदारनाथ लाठी ने कहा कि परिवार के साथ श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष के दौरान आयोजित श्रीमद्भागवत कथा को पितरों के मोक्ष प्राप्ति का मार्ग माना जाता है।

उन्होंने समाज के छोटे-छोटे परिवारों के बंधुओं से आग्रह किया कि जहां समाज द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाता है, वहां अपने परिवार के पितरों की स्मृति में उनकी फोटो सहित मूल पाठ के लिए पंडित की व्यवस्था एवं संपूर्ण विधि-विधान से आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार एवं संबंधियों को भी कथा श्रवण के लिए आमंत्रित करना चाहिए। उनके अनुसार, इससे पितरों की प्रसन्नता के साथ परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का वातावरण बनता है तथा मांगलिक कार्यक्रमों एवं परिवार की वृद्धि की मान्यता है।

समिति कोषाध्यक्ष संजय राठी ने समाजबंधुओं से आग्रह किया कि पितृपक्ष मास के अवसर पर अपने पितरों की निमित्त श्रीमद्भागवत कथा में उनके नाम एवं फोटो सहित अपना नाम समिति अध्यक्ष के पास लिखवाएं।

उन्होंने धार्मिक आस्था रखने वाले समाजबंधुओं से पितृपक्ष मास के अवसर पर अपने पितरों की निमित्त श्रीमद्भागवत कथा में यजमान बनने तथा किसी भी रूप में तन-मन-धन से सहयोग कर पुण्य के सहभागी बनने का आह्वान किया।

समिति उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा में कलश यात्रा का विशेष महत्व रहता है। महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण कर मंगलाचरण करते हुए कथा स्थल तक जाती हैं और कलश को व्यासपीठ के पास स्थापित करती हैं। उन्होंने कहा कि सुहागन महिलाओं द्वारा कलश धारण करने की परंपरा है और इससे उनकी इच्छाओं की पूर्ति तथा परिवार के कल्याण की धार्मिक मान्यता है।

उन्होंने बताया कि कलश यात्रा में जो महिलाएं एवं बहनें कलश धारण करना चाहती हैं, वे अपना नाम समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी अथवा कलश यात्रा संयोजक श्रीमती जमुना देवी लाठी के पास पंजीकृत करा सकती हैं। पंजीकरण कराने वाली महिलाओं के लिए समिति की ओर से कलश की व्यवस्था की जाएगी। कलश यात्रा पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 सितंबर निर्धारित की गई है।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने धार्मिक आस्था रखने वाले समाजबंधुओं से श्रीमद्भागवत कथा का अधिक से अधिक श्रवण करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि कथा श्रवण के लिए आने वाले समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं के लिए सायंकालीन आरती के पश्चात भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया कि पितृपक्ष मास के अवसर पर अपने परिवार एवं पितरों के निमित्त भोजन व्यवस्था में सहयोग कर पुण्य के सहभागी बनें। साथ ही अपने परिवार, संबंधियों एवं मित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य के सहभागी बनने का आह्वान किया।

बैठक के अवसर पर समिति कोषाध्यक्ष संजय राठी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा जन्मदिन की बधाई दी।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत, कोषाध्यक्ष संजय राठी, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, श्रीमती जमुना देवी लाठी, रामदेव व्यास, केदारनाथ लाठी, रामदयाल शर्मा, संजय गुप्ता, श्याम सुंदर जांगिड़ सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे। साई बाबा मंदिर के अध्यक्ष राजू भाई के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

मदनूर में पुरातन श्री हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार, शिखर स्थापना समारोह संपन्न

मदनूर, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री हनुमान मंदिर सेवा समिति एवं स्थानीय श्रद्धालुओं के सहयोग से मदनूर पुराने बस स्टैंड स्थित पुरातन श्री हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया। सद्गुरु 108 मलिकार्जुन शिवाचार्य स्वामीजी के नेतृत्व में रविवार को मंदिर में गज स्तंभ एवं शिखर स्थापना सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए।पुरोहितों के

मंत्रोच्चार के बीच श्री गौरी-गणपति स्थापना, नवग्रह होम, अष्टदिक्पालक पूजा, जलनिवास, धन्यादिवास, फलनिवास एवं पुष्पनिवास आदि कार्यक्रम संपन्न हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना एवं आरती में भाग लिया और महाप्रसाद ग्रहण किया।

मंचेरियाल में सीएम ब्रेकफास्ट योजना आज से

मंचेरियाल, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों के विद्यार्थियों को पौष्टिक नाश्ता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ङ्कसीएम ब्रेकफास्टफ योजना मंचेरियाल जिले में 31 अगस्त से शुरू होगी।

योजना के लिए हरे कृष्णा मूवमेंट चैरिटेबल फाउंडेशन के सहयोग से मंचेरियाल में 8 हजार वर्गफुट क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से युक्त केंद्रीय रसोईघर तैयार किया गया है।

मंचेरियाल, जगित्याल और पेद्दापल्ली जिलों के 17 मंडलों के 704 स्कूलों व जूनियर कॉलेजों के करीब 49 हजार विद्यार्थियों को यहां से प्रतिदिन गर्म नाश्ता पहुंचाया जाएगा। नाश्ते को विशेष स्टील हॉट बॉक्स के माध्यम से स्कूलों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

सीएसआर के तहत सिंगरेनी और हरे कृष्णा मूवमेंट चैरिटेबल फाउंडेशन संयुक्त रूप से इस परियोजना का संचालन करेंगे। सप्ताह में इडली-सांबर, पूरी-आलू, डोसा-चटनी, उपमा, मिलेट इडली-सांबर और पोंगल-चटनी परोसे जाएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप सूर्य नमस्कार करते रहें दिन शानदार गुजरेगा। पुराने साथियों से मुलाकात होगी। आज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। आज सकारात्मकता ज्यादा रहेगी।छात्रों को लाभ होगा। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर सहयोगियों के साथ मधुरता रहेगी। नया काम शुरू कर सकते हैं। लाइफ पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। नए विचार आएंगे। धन लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। दिनचर्या में बदलाव होगा। रिश्तेदारों के यहां धार्मिक काम पूजा पूठा का कार्यक्रम रहेगा आप व्यस्त रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज छात्रों को कड़ी महनत करने पर प्रतियोगीता मे कामयाबी मिलेगी। कारोबार की स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा पर जाने का प्लान बनाएंगे। चुनौतियों का बखूबी मुकाबला कर पाएंगे। आपके शासकीय कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। विद्यार्थियों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। धन संबंधी दिक्कतें दूर होंगी। सेहत का ख्याल रखें। प्रभु की आराधना करें। मानसिक शांति मिलेगी। निवेश को फिलहाल टाल दें। पदोन्नति और तबादला हो सकता है,व्यर्थ का खर्चा करने की आदत को सुधारें उन्नति निश्चित होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज विरोधी आप को नुकसान पहुंचा सकते हैं। विरोधियों से सावधान रहना होगा। अनजान लोगों के सामने निजी चर्चा करने से बचें। कोई आपके सरल स्वभाव का फायदा उठा सकता है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ज्यादा खर्च हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश कर सकते हैं। बुजुर्गों की सेहत बिगड़ सकती है। सगे संबंधियों से मुलाकात हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। अपने काम के प्रति जिम्मेदार रहें। डिनर मे कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य बहतर रहेगा सुबह योग और व्यायाम भी करते रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लक्ष्मी जी को कनेर के पुष्प से सहस्त्रार्चन करें धन कोष मे वृद्धि होगी रुकी हुई रकम वापस मिलेगी। आपको मित्रों से लाभ होगा। घूमने के लिए जाएंगे। पारिवारिक आयोजन होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। पुरानी रूकी हुई रकम मिलेगी। आपकी आर्थिक समस्या का हल होगा। युवाओं के लिए रिश्ते की बात चल सकती है। सामाजिक आयोजन में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी का ख्याल रखें। सेहत ठीक रहेगी। निवेश के मौके मिल सकते हैं। छात्रों को पढ़ाई अव्वल आना हो तो अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धन से जुडी हुई दिक्कतें दूर होंगी आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी रहेगी। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव हो सकती है। आज जीवनसाथी भरपूर सहयोग मिलेगा। नया काम शुरू कर सकते है। छात्रों को सफलता मिलेगी। यात्रा कर सकते हैं। परिवार की स्थिति बेहतर होगी। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। जोखिम वाले कार्य सावधानी से करें। हर किसी पर भरोसा न करें। सरकारी कार्य मे रुकावटें आ रही हैं तो नंदी को गेहूँ का दलीया खिलाए कार्य मे तेजी आएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अपिरिचित लोगों से धन का लेनदेन करते समय सावधानी बरतें क्योंकि आप के विरोधी सक्रिय रहेंगे। आपको सतर्क रहना होगा। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। आज आपको आवश्यक काम में परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में लाभ होगा। दंपत्ति धार्मिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतर है। सेहत अच्छी रहेगी। जोखिम न लें। अगर आप आलस्य को दूर करते हैं आप के सभी काम पूरें होंगे आप शाम का वक्त सुकून से गुजारेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन उर्जा से भरपूर रहेगा तरक्की के रास्ते खुलेंगे आपको खुशखबरी मिलेगी। आपका कार्य आसानी से पूरा है। सामाजिक जिम्मेदारियों को आज पूरा कर पाएंगे। आज मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। निवेश कर सकते हैं। व्यवसायियों के लिए आज का दिन अच्छा है। धार्मिक काम में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। यात्रा कर सकते हैं। संतान आप को खुशखबरी वाली खबर सुनाएंगे परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परेशानियों में बीत सकता है। जोखिम वाले कार्य करते समय लापरवाही न करें। चोट लगने की आशंका है। नौकरीपेशा लोगों को काम का तनाव रहेगा। धन लाभ होगा। परिवार के लोगों के साथ दिन बिता सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। यात्रा करने के दौरान अनजान लोगों के संपर्क में न रहें। शत्रु शांत रहेंगे। सेहत का ख्याल रखें। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। खानपान को लेकर लापरवाही न करें पेट सम्बंधित तकलीफ आप को परेशान करेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पारिवारिक जीवन ते उत्सव का माहौल रहेगा। रिश्तेदारों का आनाजाना लगा रहेगा। आज आपका खर्च ज्यादा होगा। कुसंगति से हानि हो सकती है। किसी के बहकावे में आकर अपने परिवार के लोगों पर संदेह न करें। जुआ, सट्टा, लाटरी जैसे व्यसनों से दूर रहें। नुकसान की आशंका है। लाइफ पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिलेगी। कैरियर मे दिक्कतें आ रही हैं तो रोज हनुमानजी को तेल सिन्दूर का श्रृंगार करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन जोरदार रहेगा परन्तु अतिउत्साही नही होना हैं परिवार का सहयोग मिलेगा। लेकिन अपनी निजी बात किसी से शेयर न करें। नए लोगों से मुलाकात होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिल सकती है। कारोबार ठीक चलेगा। सेहत ठीक रहेगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात होगी। आपकी योजना फलीभूत होने की संभावना है। आपका आध्यात्मिकता की ओर रूझान रहेगा। व्यवसाय में लाभ की स्थिति रहेगी दिनजनो की सेवा करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को धन की सेवींग जरूर करना चाहिए आने वाले समय मे परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ने से आप चिंतित रहेंगे। मासिक बजट बिगड़ सकता है। तनाव दूर करने के लिए ईश्वर की आराधना करें। कठिन परिस्थिति निर्मित हो सकती है। किसी मित्र की मदद से आपका राहत मिल सकती है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। यात्रा करते समय सतर्क रहें। किसी की बातों में न आएं। व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी। अनजान लोगों पर भरोसा करना आप को जोखिम मे डाल सकता हैं व्यापार मे सतर्कता जरूरी हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को अपने क्रोध पर नियंत्रण करना बहुत जरूरी हैं किसी के साथ तनाव हो सकता है। अपरिचित लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल रहेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर पाएंगे। छात्रों के लिए आज का दिन बेहतर है। कारोबारियों को आर्थिक लाभ होगा। सेहत का ध्यान रखें। जोखिम न लें। खर्च सावधानी से करें। दफ्तर का माहौल सामान्य रहेगा।बेरोजगारी दूर होने का समय हैं नौकरी की तलाश जारी रखें।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 अगस्त 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 08:53 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 03:24 तक तक
योग : गण्ड रात्रि 01:50 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:53 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 03:24 तक
सूर्योदय : 06:02 ,सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:08 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:28 , पंचक रात्रि 03:24 तक , कज्जली बूढ़ी तीज , भद्रा प्रातः 08:53 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

महादेव के कई चमत्कारी रूप हैं भगवान शिव सौम्य प्रकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। अन्य देवों से शिव को भिन्न माना गया है। सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं।

सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले महादेव भोलेबाबा के नाम से अपने भक्तो में प्रसिद है

भोले-भंडारी शिव-शंकर अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं, मुश्किल घडी में उन्हें राह दिखाते हैं। तभी तो देवता भी अपने कष्टों के निवारण के लिए भोले-भंडारी की ही शरण में जाते हैं।

भोले-भंडारी शिव-शंकर अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं, मुश्किल घडी में उन्हें राह दिखाते हैं। तभी तो देवता भी अपने कष्टों के निवारण के लिए भोले-भंडारी की ही शरण में जाते हैं। महादेव के कई चमत्कारी रूप हैं भगवान शिव सौम्य प्रकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। अन्य देवों से शिव को भिन्न माना गया है।

सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं। त्रिदेवों में भगवान शिव संहार के देवता माने गए हैं। शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदिस्रोत हैं और यह काल महाकाल ही ज्योतिषशास्त्र के आधार हैं। शिव का अर्थ यद्यपि कल्याणकारी माना गया है, लेकिन वे हमेशा लय एवं प्रलय दोनों को अपने अधीन किए हुए हैं। शिव में परस्पर विरोधी भावों का सामंजस्य देखने को मिलता है। सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले यह महादेव भोलेबाबा के नाम से अपने भक्तो में प्रसिद है। यह महातपस्वी महा अघोरी और तंत्र मंत्र के रचियता है। तांत्रिको और अघोरियो के यह परम आराध्य है इन्होने अनेको अवतार जनकल्याण के लिए लिया है।

आपने देखा होगा कि शिव भक्त भोले बाबा को बेलपत्र और भांग धतूरा चढाते हैं। जबकि अन्य देवी देवताओं को मिष्टान और विभिन्न प्रकार के भोग चढाते हैं। इसके बावजूद भी भोले बाबा भांग धतूरा और बेलपत्र चढाने वाले पर मेहरबान हो जाते हैं। भगवान भोलेनाथ को यह सभी चीजें पसंद क्यों है इसका उत्तर पुरणों में मिलता है। पुराणों के अनुसार सागर मंथन के समय जब हालाहल नाम का विष निकलने लग तब विष के प्रभाव से सभी देवता एवं जीव-जंतु व्याकुल होने लगे। ऐसे समय में भगवान शिव ने विष को अपनी अंजुली में लेकर पी लिया। विष के प्रभाव से स्वयं को बचाने के लिए शिव जी ने इसे अपनी कंठ में रख लिया इससे शिव जी का कंठ नीला पड गया और शिव जी नीलकंठ कहलाने लगे।

लेकिन विष के प्रभाव से शिव जी का मस्तिष्क गर्म हो गया। ऐसे समय में देवताओं ने शिव जी के मस्तिष्क पर जल उडलेना शुरू किया जिससे मस्तिष्क की गर्मी कम हुई। बेल के पत्तों की तासीर भी ठंढी होती है इसलिए शिव जी को बेलपत्र भी चढाया गया।

इसी समय से शिव जी की पूजा जल और बेलपत्र से शुरू हो गयी। बेलपत्र और जल से शिव जी का मस्तिष्क शीतल रहता और उन्हें शांति मिलती है। इसलिए बेलपत्र और जल से पूजा करने वाले पर शिव जी प्रसन्न होते हैं। शिवरात्रि की कथा में प्रसंग है कि, शिवरात्रि की रात में एक भील शाम हो जाने की वजह से घर नहीं जा सका। उस रात उसे बेल के वृक्ष पर रात बितानी पडी। नींद आने से वृक्ष से गिर न जाए इसलिए रात भर बेल के पत्तों को तोडकर नीचे फेंकता रहा। संयोगवश बेल के वृक्ष के नीचे शिवलिंग था। बेल के पत्ते शिवलिंग पर गिरने से शिव जी प्रसन्न हो गये। शिव जी भील के सामने प्रकट हुए और परिवार सहित भील को मुक्ति का वरदान प्राप्त हुआ।

नटराज रूप :

इस रूप में शिवजी नृत्य करते नजर आते है। यह सबसे उत्तम नर्तक और नृत्य के जनक कहलाते है। इनका तांडव नृत्य सबसे प्रमुख है। यह तांडव दोनों रूपों में है एक प्रलयकारी तांडव जो शिव के क्रोधित होने पर किया जाता है। और अन्य सौम्य तांडव जो शिव के प्रसन्न होने पर किया जाता है। रौद्र तांडव शिवजी करने से वो रूद्र कहलाते थे जिससे सृष्टी में महाविनाश आ जाता है।

कैसे दिखाई देते है भोलेनाथ :

जटाधारी शिव एक तपस्वी की तरह दिखते है जो माया धन से परे है। भस्म से अपना श्रंगार करते है। हलाहल विष का पान करने से यह नीलकंठ वाले है। इनकी जटाओ और शरीर पर बहुत से नाग लिपटे हुए है। रुद्राक्ष की माला जटा पर हाथो पर बंधी हई है। त्र्यम्बक शिव इसलिए कहलाते है क्योकि इनके एक तीसरी आँख भी है। इनकी जटाओ में गंगा और शीश पर अर्धचन्द्रमा सुशोभित है। माँ शक्ति के साथ इनका अद्नरिश्वर रूप जगत रचियता है।

ऐसा करने से गणेश जी प्रसन्न होकर सारे विघ्नों को दूर करते हैं

जिसके कारण भगवान गणेश की पूजा करने का सबसे शुभ दिन है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी को हम कई नामों से जानते है जैसे कि सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्ण, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। जिन्हे हम कष्टो को हरने वाला मानते है।

सर्वप्रथम गणेशजी की पूजा हर दिन हर घर में की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा की जाए तो आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। बुधवार के दिन इनकी पूजा का विशेष महत्व है।

''वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटी समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ।।''

हे भव्य शरीर, वक्र सूंड, दश लक्ष सूर्यों की चमक वाले गणेशजी, मेरे सारे कर्मों को विघ्नों से हमेशा मुक्त करते रहना। सर्वप्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा तो हर दिन हर घर में की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा की जाए तो आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। बुधवार के दिन इनकी पूजा का विशेष महत्व है। जिसके कारण भगवान गणेश की पूजा करने का सबसे शुभ दिन है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी को हम कई नामों से जानते है जैसे कि सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्ण, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। जिन्हे हम कष्टो को हरने वाला मानते है।

ऐसे करें पूजा

बुधवार या विनायक चतुर्थी के दिन ब्रहम मूहुर्त में उठकर सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान कर लें। और भगवान की पूजा करें। इसके बाद दोपहर के समय अपनी इच्छा अनुसार सोने, चांदी, तांबे, पीतल या मिट्टी से बनी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद संकल्प मंत्र पढे और फिर श्री श्रीगणेश की षोडशोपचार (सोलह सामग्रियों से) पूजन-आरती करें। भगवान गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर चढाएं। इसके बाद ऊं गं गणपतयै नम: मंत्र का उच्चारण करते हुए 21 दूर्वा दल चढाएं। और बोग में गुड या बूंदी के 21 लड्डुओं खिलाएं।

इनमें से 5 लड्डू मूर्ति के पास रख दें तथा 5 ब्राहमण को दान कर दें। शेष लड्डू प्रसाद के रूप में बांट दें। इसके बाद पूजा में भगवान श्रीगणेश स्त्रोत, अथर्वशीर्ष, संकटनाशक स्त्रोत आदि का पाठ करें। ब्राहमणों को भोजन कराएं और उन्हें दक्षिणा प्रदान करने के बाद शाम के समय स्वयं भोजन ग्रहण करें। संभव हो तो उपवास करें। इस व्रत का आस्था और श्रद्धा से पालन करने पर भगवान श्रीगणेश की कृपा आप पर बनी रहेगी।

आप जिस काम में हाथ डालोंगे उसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी। गणेशजी सभी विघ्नों को हरने वाले और रिद्धि-सिद्धि के दाता माने जाते हैं। इसलिए संबंधित बाधाएँ और विघ्नों को रोकने के लिए गणेशजी की उपासना की जाती है, ताकि मन संयमित रहे और किसी अनिष्ट कार्य का आचरण न हो। संकट चतुर्थी व्रत करने से आप के जीवन में आए हुए हरेक प्रकार के संकट दूर होते हैं और यदि किसी भी प्रकार का दोषारोपण लगा हो तो दूर होता है। समाज में मान-प्रतिष्ठा मिलती है। आयुष्य और बल में वृद्धि होती है और सर्वत्र आप की कीर्ति फैलती है। जलस्नान कराने से जीवन से दु:ख का नाश होता है और सुख का आगमन होता है। जीवन में विद्या, धन संतान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। सफेद पुष्प अथवा जासुद अर्पण करने से कीर्ति मिलती है। दुर्वा अर्पण करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है, आर्थिक उन्नति होती है और संतान का सुख मिलता है। सिंदूर अर्पण करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। धूप अर्पण करने से कीर्ति मिलती है। लड्डू अर्पण करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

यह व्रत सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम कर सौभाग्य में वृद्धि व चर्म, नैत्र विकार नाशक भी है

सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बहुत ही फलदायक है। इस व्रत को करने से आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

सूर्य ही एक ऐसे देवता हैं जो प्रत्यक्ष दिखतें हैं। सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बह सूर्य ही एक ऐसे देवता हैं जो प्रत्यक्ष दिखतें हैं। सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बहुत ही फलदायक है। इस व्रत को करने से आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है। एवं सर्व कामना सिद्धि भी प्राप्त होती है। यह व्रत चर्म और नैत्र आदि विकार नाशक भी है। इस व्रत को निम्न तरीके से पूर्ण श्रद्धा के साथ करे। दिनभर व्रत रखकर सायंकाल अग्निहोत्र आदि कर बिना नमक का भोजन करना चाहिए। इस प्रकार महीने में प्रत्येक रविवार को सूर्य की उपासना करने से दैविक, दैहिक और भौतिक तीनों कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। रविवार का व्रत किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से प्रारंभ करे और एक वर्ष अथवा 12 या 30 रविवार तक करे। रविवार के दिन प्रात: स्नान आदि करके लाल वस्त्र धारण करे एवं मस्तक पर लाल चन्दन का तिलक करे तथा ताम्बे के कलश में जल लेकर उसमे रोली, अक्षत, लाल पुष्प डालकर श्रद्धापूर्वक सूर्यनारायण को अर्ध्य प्रदान करे।

एवं **''ॐ हा हीं हौं स: सूर्याय नम:''** इस बिज मंत्र का यथाशक्ति जाप करे। इस दिन भोजन सूर्यास्त से पहले करे। भोजन में गेहू की रोटी अथवा गेहू का दलिया या इस का हलवा बनाये।भोजन से पूर्व इस हलवा का कुछ भाग देवस्थान या बालक-बालिका को देकर भोजन करे। भोजन में प्रथम हलवा ग्रहण करे फिर अन्य पदार्थ ग्रहण करे। भोजन में नमक का प्रयोग ना करे। अंतिम रविवार को हवन क्रिया के पश्चात योग्य दम्पति को भोजन कराकर लाल वस्त्र एवं यथेच्छा दक्षिणा प्रदान करे।

इसलिए सबसे पहले मन को शांत करना जरूरी है

मन अशांत रहे, उसमें उथल-पुथल मची रहे, तो तन शांत व स्वस्थ कभी भी नहीं रह सकता। महर्षि अरविंद कहते हैं, मन अशांत रहे, उसमें उथल-पुथल मची रहे, तो तन शांत व स्वस्थ कभी भी नहीं रह सकता। इससे शरीर में अनेक प्रकार के रोग भी जन्म ले सकते हैं। इसलिए सबसे पहले मन को शांत करना जरूरी है। किसी बात पर यदि क्रोध आता है, तो हम अपनी प्रतिक्रिया देने लगते हैं। इससे बात बिगड जाने की आशंका बनी रहती है। इसलिए मौन रहना ही क्रोध को वश में करने का सबसे सटीक उपाय है।

सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के अनुसार, जीवन में एक बार किसी कर्म को करने का फैसला ले लिया, तो फिर पीछे मुड कर न देखें। बार-बार पीछे मुडकर देखने वाले इतिहास नहीं बना पाते हैं।

धृष्टकेतुश्चेकितान: काशिराजश्च वीर्यवान
पुरुजित्कुंतिभोजश्च शैब्यश्च नरपुंगव: ।।

धृष्टकेतु- दृढकर्तव्य, चेकिस्तान:
- जहां भी जाए , वहां से चित्त को खींचकर इष्ट में स्थिर करना,काशिराज: - कायारूपी काशी में ही वह साम्राज्य है, पुरुजित - स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीरों पर विजय दिलाने वाला पुरुजित, कुंतिभोज: - कर्तव्य से भव पर विजय, नरों में श्रेष्ठ, शैब्य अर्थात सत्य व्यवहार - युधामन्युश्च विक्रांत उत्तमौजाश्च वीर्यवान
सौभद्रो दौपदेयाश्च सर्व एव महारथा: ।।

और पराक्रमी युधामन्यु: - युद्ध के अनुरूप मन की धारणा, उत्तमौजा: - शुभ की मस्ती, सुभद्रापुत्र अभिमन्यु - जब शुभ आधार आ जाता है तो मन भय से रहित हो जाता है - ऐसा शुभ आधार से उत्पन्न अभय मन, ध्यानरूपी द्रौपदी के पांचों पुत्र - वात्सल्य, लावण्य, सहदयता, सौम्यता, स्थिरता सब के सब महारथी हैं। साधन-पथ पर संपूर्णयोग्यता के साथ चलने की क्षमताएं हैं।

हनुमानजी ऐसे पूज्य देव हैं, जो कलियुग में भी साक्षात् रहते हैं। वह ब्रहमचारी और प्रभु श्रीराम के अमिट भक्त हैं। लेकिन पवनपुत्र के बारे में ऐसी कई बातें हैं जो वर्तमान में किसी रहस्य से कम नहीं। इन बातों की उल्लेख हिंदू धार्मिक ग्रंथो और रामायण के तमाम संस्करणों में उल्लेख मिलता है। जैसे कि...

हनुमानजी ऐसे पूज्य देव हैं, जो कलियुग में भी साक्षात् रहते हैं

हनुमानजी भगवान शिव के अवतार हैं। वह शक्ति, भक्ति, और दृढता का प्रतीक हैं।

१.हनुमानजी भगवान शिव के अवतार हैं। वह शक्ति, भक्ति, और दृढता का प्रतीक हैं।

२.हनुमानजी की मां पूर्वजन्म में अप्सरा थीं। जो एक शाप के कारण पृथ्वी पर जन्मीं और भगवान शिव के अवतार हनुमानजी की मां बनने का सौभाग्य मिला।

३.हनुमानजी बचपन से ही भगवान श्रीराम को अपना आराध्य देव मानते थे। और जब वह श्रीराम से वह मिले तो प्रसन्नता के आंसुओं को रोक नहीं पाए।

४.जब श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए तब हनुमानजी अपने एक हाथ पर ही पूरा एक पर्वत ले आए थे। वह इसीलिए क्योंकि उस पर्वत पर संजीवनी बूटी थी। जिससे से लक्ष्मण जी को मूर्छित अवस्था से दूर किया जा सके।

५.गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखित हनुमान चालीसा का पाठ यदि मंगलवार और शनिवार को किया जाए तो बजरंगबली की कृपा उस भक्त पर हमेशा बनी रहती है। जब श्रीराम की मृत्यु हुई तब हनुमानजी ने यम (मृत्यु के देवता) पर जाने से रोका था। लेकिन बाद में स्थितियां बदलीं और श्रीराम विष्णुलोक गए।

६.हनुमानजी ने श्रीराम को अंतिम समय में यह वचन दिया था। कि वह पृथ्वी पर अदृश्य रूप में रहकर राम नाम का स्मरण करते हुए उन्हें महाप्रलय तक पूजते रहेंगे। इसीलिए माना जाता है हनुमानजी

७.आज भी हमारे बीच में हैं। और उन्हें सच्चे मन से याद किया जाए तो वह भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं।

टेढ़े-मेढ़े दांतों से ऐसे पाएं छुटकारा...

खुश होने पर हंसी अपने आप ही हमारे चेहरे पर दस्तक देती है। कभी-कभी यह हंसी आउट ऑफ कंट्रोल हो जाती है और हंसते समय दांत बाहर आ जाते हैं लेकिन उस समय बहुत बुरा लगता है जब हमारे टेढ़े-मेढ़े दांतों पर सबकी नजर पड़ती है। टेढ़े-मेढ़े दांत पर्सनैलिटी पर काफी नेगटिव इम्पैक्ट डालती है। फीचर कितने भी शार्प क्यों न हो खराब और टेढ़े दांत सब पर पानी फेर देते हैं।

इसके अलावा टेढ़े दांतों की वजह से बोल-चाल के कुछ शब्दों, जिसका उच्चारण करते समय हमें दातों का सहारा लेना पड़ता है, में रूकावट आती है। वहीं ऐसे दांतों को साफ करने में भी परेशानी होती हैं क्योंकि ब्रश ठीक ढंग से एडजैस्ट नहीं हो पाता। जाहिर सी बात है कि अगर दांतों पर ढंग से ब्रश नहीं होगा तो गंदगी जमा होगी जो बाद में दांतों के खराब होने का कारण बनती है। इसलिए टेढ़े-मेढ़े दांतो से छुटकारा पाना बहुत जरूरी है।

तार लगाकर सीधा करना

दांतों में फिक्स्ड ब्रेसिज या तार लगाकर इन्हें सीधा किया जाता है। तार टेम्परारी या पर्मानेंट, दोनों तरह से ही लगाई जाती है। स्थाई तौर पर तार लगाने से दांतों पर दबाव डाला जाता है, जिससे दांत सही जगह पर सेट हो जाएं। इलाज के बाद मरीज को च्युइंगम, टॉफी और चॉकलेट जैसी चीजें नहीं खानी चाहिएं तथा मीठे और ज्यादा ठंडे खाद्य पदार्थों का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए। वैसे तो किसी भी उम्र में आप टेढ़े दांतों का इलाज करवा सकते हैं लेकिन अगर इसका इलाज जल्दी हो तो बेस्ट है क्योंकि कम उम्र में जबड़े मुलायम रहते हैं। इलाज के परिणाम शीघ्र सामने आते हैं।

ट्रीटमेंट के बाद

टेढ़े-मेढ़े दांतों के ट्रीटमेंट के बाद उसे ऐसे ही न छोड़ दें क्योंकि इसके बाद उनके सरकने और टेढ़े होने की आशंका बनी रहती है इसलिए समय समय पर डाक्टर से सलाह लेते रहें। बच्चे को हर छ:महीने के बाद डैंटिस्ट के पास लेकर जाएं ताकि उनकी आदतों जैसे कि अंगूठा चूसना, जींभ से बार-बार अपने ऊपरी दांतों को धकेलना, दांतों से होंठ अथवा गाल काटते रहना आदि आदतें जो दांतों को टेढ़ा-मेढ़ा करती हैं,को हटाया जा सकें।

मुंह से सांस लेना

अगर किसी बच्चे में मुंह से सांस लेने की आदत है तो भी इस आदत को दूर किया जाना चाहिए क्योंकि इस आदत की वजह से ऊपर वाले आगे के दांत बाहर की तरफ आने लगते हैं। अगर बच्चे के दूध वाले दांत नहीं गिरे लेकिन पास की जगह पर पक्के दांत निकलने लगे हैं तो बच्चे को डैंटिस्ट के पास ले जाकर दूध के दांत निकलवाएं नहीं तो पक्के दांत वहीं फिक्स हो जाएंगे।

हर छह माह में चेक कराएं

अगर आप सोचते हैं कि डैंटिस्ट के पास जाकर टेढ़े-मेढ़े दांतों के बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं है। यह बिल्कुल गलत हैं। आप नियमित रूप से हर छः महीने बाद बच्चों को डैंटिस्ट के पास जाकर दांत चैक करवाते रहें। अगर कुछ प्रॉबल्म होगी तो वह साथ-साथ ठीक होती रहेगी।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

एड़ियों के दर्द में दवाई के साथ परहेज जरूरी

दिनभर की भागदौड़ से लोगों में एड़ी का दर्द होना आजकल एक सामान्य समस्या बन गई है। यह किसी दवाई या किसी एक उपाए से ठीक नहीं हो सकता है। इसके लिए दवाओं के साथ परहेज करना बहुत जरूरी है। एड़ियों का दर्द पुरूष हो या महिला किसी को भी हो सकता है। एड़ी में दर्द की प्रमुख वजह हैं अधिक ऊंची हील के जूते और सैंडल है। हड्डी के बढ़ने से भी एड़ियों में दर्द हो सकता है।

ज्यादा संवेदनशील होने की बीमारी...

दुनिया में कई लोगों को छोटी छोटी बातों से बहुत फर्क पड़ता है। ऐसे लोग कुछ खास चीजों जैसे रोशनी या तेज आवाज को लेकर बहुत संवेदनशील होते हैं। पहले उन्हें सिर्फ संवेदनशील कहा जाता था मगर अब अमरीका समेत कई देशों में हुए रिसर्च के बाद ऐसे लोगों के ज्यादा संवेदनशील होने को एक बीमारी बताया जा रहा है। इस बीमारी का नाम सेंसरी प्रॉसेसिंग डिसॉर्डर या एसपीडी है। कुछ लोग किसी के कदमों की आहट या शोर-गुल से परेशान हो जाते हैं। वे चीखने लगते हैं। कुछ लोग तेज रोशनी को बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसी परेशानी के शिकार लोगों में ज्यादातर बच्चे होते हैं। इस बीमारी का नाम पहले पहले अमरीका के डॉक्टर ज्यां आयर्स ने रखा था। उन्होंने 1960 में इसका नाम सेंसरी इंटीग्रेशन डिसॉर्डर रखा था। ज्यां आयर्स की छात्रा रही लूसी जेन मिलर ने ज्यां के इस बीमारी के बारे में रिसर्च को आगे बढ़ाया। उन्होंने इस बीमारी की तीव्रता नापने के लिए कुछ पैमाने भी ईजाद किए हैं।

अलग होता है दिमाग

रिसर्च में पता चला है कि एसपीडी की जड़ें दिमाग में होती हैं। इस बीमारी के शिकार लोगों का दिमाग आम लोगों के दिमाग से अलग होता है। दिमाग के इस हिस्से की मदद से हम आवाज, रोशनी और छुअन को महसूस करते हैं। एसपीडी से पीड़ित लोगों के दिमाग का यही हिस्सा कम विकसित होता है। एक और बात साफ हुई है कि एसपीडी का सीधा ताल्लुक ऑटिज्म नाम की बीमारी से होता है क्योंकि 90 फीसद मरीजों में ऑटिज्म के लक्षण पाए गए।

अहसास से बेहाल

वैसे किसी खास चीज से परेशानी नई बात नहीं। बहुत से बच्चे रोशनी या आग या शोर-गुल से घबराकर चीखने लगते हैं। एक सर्वे के मुताबिक सोलह फीसद बच्चे ऐसी परेशानी की शिकायत अपने माता-पिता से करते हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ उनकी यह दिक्तत दूर हो जाती है। लेकिन कुछ लोग अपने अहसास से बेहाल रहते हैं। असल में हमारे एहसास, हमें बाकी दुनिया से रूबरू कराते हैं। वो हमें दुनिया दिखाते हैं। आवाजें सुनाते हैं।

छुअन को महसूस कराते हैं। होता यह है कि हमारा दिमाग इन संकेतों को पकड़कर इसे हमें महसूस कराता है। कुछ लोगों को दूसरों को खुश या परेशान देखकर उनके सुख-दुख का एहसास हो जाता है। ऐसे लोगों को ऑर्किड कहा जा रहा है। उनको जरा सी बात चुभ जाती है। वे दुःख भरी खबर सुनकर रोने लगते हैं। कोई मजेदार सीरियल देखते वक्त उनकी हंसी है कि रुकती ही नहीं। उन्हें पार्टियों से ज्यादा किताबों का शौक होता है।

क्या है इलाज

एक सवाल वहीं का वहीं है, कि आखिर एसपीडी के शिकार लोग कहां फिट बैठते हैं? लोगों में सेंसिटिव प्रॉसेसिंग डिसऑर्डर का पता लगने के बाद अगला कदम उनके इलाज का होता है। इसका मकसद उनके अहसास कम करना नहीं होता बल्कि कोशिश यह होती है कि आम माहौल में वो कम तकलीफ के साथ रह सकें। जिंदगी में आगे बढ़ सकें। एसपीडी पीड़ितों का इलाज दवाओं के साथ ही साथ कंप्यूटर गेम वगैरह से भी किया जा रहा है। फिलहाल तो एसपीडी पर काम कर रहे रिसर्चर और इसके शिकार लोग, इसे एक बीमारी का दर्जा दिलाने, इसके बारे में लोगों को जागरूक करने में जुटे हैं।

भावों को गहराई से नापना

संवेदनशील लोग, भावों को ज्यादा गहराई से नापते हैं। बातों या चीजों को लेकर वे बहुत संवेदनशील होते हैं। दूसरों से उन्हें तुरंत हमदर्दी हो जाती है। ऐसे बेहद संवेदनशील लोग किसी भी हालात को आराम से समझते हैं। तब उस पर कोई प्रतिक्रिया देते हैं। वे आस-पास के माहौल को लेकर भी काफी चौकन्ने रहते हैं। उनके ऊपर दूसरों के मूड तक का असर पड़ता है। पता चला है कि दुनिया के बीस फीसद लोग ज्यादा संवेदनशील होते हैं। बच्चे दो तरह के होते हैं। एक तो वे जो हर माहौल में ढल जाते हैं। मजे करते हैं। दूसरे वो बच्चे, जिन्हें आगे बढ़ने के लिए एक खास माहौल चाहिए।

पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना...

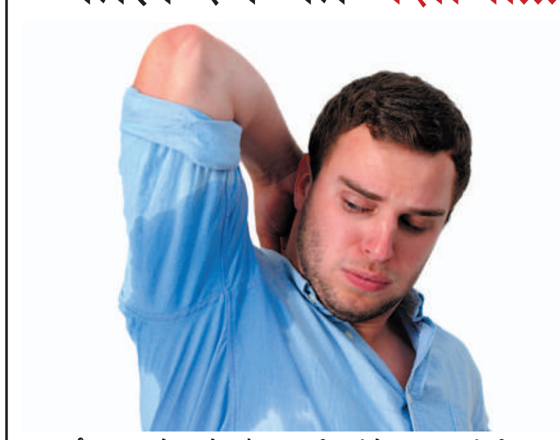

कई बार आपने अपने सफेद रंग की शर्ट में अंडरआर्म्स की तरफ पीले रंग के दाग देखे होंगे। ऐसा कलर्ड स्वेट के कारण होता है। कलर्ड स्वेट मतलब रंग वाला पसीना। सामान्य तौर पर इंसान को पारदर्शी-रंगहीन पसीना निकलता है लेकिन कई लोगों को पीला या ऑरेंज रंग का पसीना निकलता है जिससे कपड़े में पसीने के दाग पड़ जाते हैं। रंग वाले पसीने के निकलने को विज्ञान में क्रोमहिड्रोसिस कहते हैं। इसमें पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना भी निकल सकता है।

अनूठी बीमारी

क्रोमहिड्रोसिस एक अनूठी बीमारी है जिसमें कलर्ड स्वेट निकलता है। दो ग्लैंड, एक्रीन और एपोक्रीन, की वजह से पसीना निकलता है। एक्रीन ग्लैंड से रंगहीन और गंधहीन पसीना निकलता है जो शरीर का तापमान रेग्युलेट करता है। एपोक्रीन ग्लैंड से मोटा और दुधिया रंग का पसीना निकलता है। ऐसा बैक्टीरिया को शरीर से निकालने के कारण होता है। इस कारण ही पसीने से बदबू आती है।

लिपोफस्कीन पिगमेंट

क्रोमहिड्रोसिस, एपोकरीन ग्लैंड से निकलने वाले पसीने के कारण होता है। एपोक्रीन ग्लैंड योनि, कांख, स्तनों और चेहरे के स्कीन के तरफ होती हैं। क्रोमहिड्रोसिस चेहरे, कांख और स्तनों के तरफ निकलने वाले पसीने में होता है। लिपोफस्कीन पिगमेंट कलर्ड स्वेट के लिए जिम्मेदार होता है। यह पंगमेंट एपोक्रीन ग्लैंड में होता है जिसके कारण पीला, नीला, नारंगी और काले रंग का पसीना निकलता है।

बीमारियों में महंगी दवाइयों के स्थान पर आजमाएं चिरायता

जुलाई से लेकर सितंबर-अक्टूबर तक का समय बीमारियों के लिहाज से नाजुक होता है, इन दिनों बीमारियों से बचने के लिए महंगी दवाओं के स्थान पर घरेलू नुस्खे आजमाएं।

इन्हीं घरेलू नुस्खों में एक है अनमोल चिरायता। बरसों से हमारी दादी-नानी कड़वे चिरायते से बीमारियों को दूर भगाती रही हैं, आप भी जानें इसके बारे में...

दरअसल यह कड़वा चिरायता एक प्रकार की जड़ी बूटी है जो कुनैन की गोली से अधिक प्रभावी होती है। पहले इस चिरायते को घर में सूखा कर बनाया जाता था लेकिन आजकल यह बाजार में कुटकी चिरायते के रूप में उपलब्ध है।

घर में चिरायता बनाने की विधि

100 ग्राम सूखी तुलसी के पत्ते का चूर्ण, 100 ग्राम नीम की सूखी पत्तियों का चूर्ण, 100 ग्राम चिरायते की सूखी टहनी का चूर्ण लीजिए। इन तीनों को समान मात्रा में मिलाकर एक बड़े डिब्बे में भर कर रख लीजिए।

यह तैयार चूर्ण मलेरिया या अन्य बुखार होने की स्थिति में दिन में तीन बार दूध से सेवन करें। मात्र दो दिन में आश्र्यजनक लाभ होगा।

बुखार न होने की स्थिति में इसका एक चम्मच सेवन प्रतिदिन करें। यह चूर्ण किसी भी प्रकार की बीमारी चाहे वह स्वाइन फ्लू ही क्यों ना हो, उसे शरीर से दूर रखता है। इसके सेवन से शरीर से सारे रोगाणु-कीटाणु झर जाते हैं। रक्त एवं त्वचा संबंधी समस्त विकार दूर होते हैं।

गर्भवती महिला और कमजोर पाचन शक्ति के लोग विशेषज्ञ से पूछ कर ही इसका सेवन करें। शरीर से हर तरह का विकार निकालता है।

कितने सुरक्षित हैं कांटेक्ट लेंस ?

आज के दौर में एक बड़े पैमाने पर लोग कांटेक्ट लेंस का उपयोग करते हैं लेकिन इसी के साथ इनका रख रखाव करना भी एक अहम काम है जिसे न करने पर ये हमारी आंखों को भी हानि पहुंचा सकते हैं इसीलिए हर बार इस्तेमाल करने के बाद कांटेक्ट लैंस के केस को भी सफाई करना जरूरी होता है। अगर आप भी कांटेक्ट लेंस का प्रयोग करना चाहते हैं तो आपके लिए बेहद जरूरी है ये टिप्स

- कांटेक्ट लेंस का प्रिस्क्रिप्शन किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से ही लें। अच्छे परिणाम के लिए कांटेक्ट लेंस का आपकी आंखों पर फिट बैठना जरूरी है।
- रात में सोते समय, नहाते समय या स्विमिंग के दौरान कांटेक्ट लेंस पहनने से बचना चाहिए। डॉक्टर ने प्रिस्क्राइब किया है तो अलग बात है अन्यथा रात को कांटेक्ट लेंस पहनकर सोने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे आपके कॉर्निया को आवश्यक ऑक्सीजन प्राप्त नहीं हो पाती। फलस्वरूप संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जिससे आंखों की रोशनी तक जा सकती है।
- कांटेक्ट लेंस इस्तेमाल करने से पहले सुगंध रहित साबुन से हाथ साफ करें। कांटेक्ट लेंस को रातभर मल्टीपरपज सॉल्यूशन में डालने से पहले लेंस की सतह को अंगुली से रगड़कर अच्छी तरह साफ करें।
- लेंस को केस में रखने के लिए हर बार फ्रेश सॉल्यूशन का इस्तेमाल करें। इस्तेमाल किए हुए सॉल्यूशन को पुनः प्रयोग करने से उसमें बैक्टीरिया पनपने की आशंका पैदा हो जाती है।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है।

ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढ़ांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

ग्रिल्ड आलू सैंडविच

सामग्री

10-12 ब्रेड स्लाइस, 1 बड़ा आलू (उबला हुआ), 1 बड़ी हरी मिर्च (बारिक कटी हुई),1 छोटा प्याज (बारीक कटा हुआ), आधा कप पनीर (कद्दुकस किया), आधा चम्मच चाट मसाला,1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, नमक स्वादानुसार, बटर

विधि

सबसे पहले एक कटोरी में उबले आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें कटी हुई मिर्च,प्याज, पनीर, चाट मसाला, नमक, लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब सभी ब्रेड स्लाइस में मक्खन को एक तरफ लगाते हुए, उसमें दूसरी तरफ आलू का तैयार मसाला बराबर मात्रा में रखते जाएं और उसके ऊपर से अन्य ब्रेड की स्लाइस से कवर कर दें। अब एक पैन में थोड़ा मक्खन डालें और सैंडविच को धीमी आंच पर सेके। ऐसे ही दोनों साइड से सैंडविच को सेंके। ऐसे ही सभी सैंडविच स्लाइस को मक्खन के साथ सेंके। सैंडविच तैयार है। इसे अपनी पंसद चटनी के साथ सर्व करें।

नारियल के लड्डू

सामग्री

20 ग्राम बादाम (बारिक कटे हुए)
20 ग्राम काजू (बारिक कटे हुए)
500 ग्राम खोया
250 ग्राम नारियल(कद्दुकस किया हुआ)
150 ग्राम चीनी

विधि

सबसे पहले कड़ाही में बादाम और काजू डालकर 2-3 मिनट तक भून लें। अब एक और कड़ाही में खोया डालकर 5 मिनट तक पकाएं। पकाने के बाद इसमें कद्दुकस किया हुआ नारियल, चीनी, काजू, बादाम(भुने हुए) डालकर पकाएं। अब इस मिश्रण को थोड़ा ठंडा करके अपने हाथों से गोल-गोल लड्डू तैयार कर लें। लड्डू को कद्दुकस किए हुए नारियल के साथ रोल करें। नारियल के लड्डू तैयार हैं। आप चाहें तो इन्हें फ्रिज में रखकर बाद में भी खा सकते है।

संपादकीय

बिना हुनर के डिग्री

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है, जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए।

देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने।

लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी। पिछले कुछ समय में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने का फैशन चला। वैश्विक स्थितियों में बदलाव व एआई के वर्चस्व के चलते अचानक कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नौकरियों में तेजी से कटौती हुई। लेकिन देश में हजारों शिक्षण संस्थान आज भी इस भेड़चाल में युवाओं को धकेल रहे हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंताओं ने दूरदर्शी दृष्टिकोण न अपनाते हुए, भविष्य की दीवार पर लिखी इबारत को नहीं पढ़ा। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश होने के बावजूद हम इस जनसांख्यिकीय लाभ उठाने में विफल रहे हैं। हमारे उद्योगों ने भी अपनी जरूरत के मुताबिक युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिये इस बाबत चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सहयोग नहीं किया। यही वजह है कि आज देश में कामचलाऊ इंटर्नशिप व अप्रेंटिसशिप का बोलबाला है। यदि हमारा निजी क्षेत्र इस दिशा में रचनात्मक पहल करता तो उसे बड़ी संख्या में अपनी जरूरतों के मुताबिक युवा प्रतिभाएं मिल सकती थीं। इसे दिशा देने में देश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं आईआईटी व आईआईएम की बड़ी भूमिका हो सकती थी। याद रहे कि कौशल विकास का मतलब केवल एक सार्टिफिकेट हासिल करना नहीं है। देश को कौशल विकास से लैस युवाओं की जरूरत है। जो आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये अनिवार्य शर्त भी है। नीति-नियंताओं को इस मामले में चीन की औद्योगिक व तकनीकी क्रांति से जुड़ी नीतियों से सीखने की आवश्यकता है। जरूरत इस बात की है कि हमारे स्कूल-कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालयों तक में रोजगार से जुड़े पाठ्यक्रमों को तरजीह दी जाए।

कुछ अलग

विनम्रता से ज्ञान

एक दिन जब सुकरात एथेंस की गलियों से गुजर रहे थे, तब एक युवक उनके पास आया और बोला, 'लोग कहते हैं कि आप सबसे बुद्धिमान हैं, फिर भी आप स्वयं को अज्ञानी क्यों कहते हैं?' सुकरात मुस्कुराए और बोले, 'तुम क्या जानते हो?' युवक ने गर्व से उत्तर दिया, 'मैं बहुत कुछ जानता हूं।' सुकरात ने पास पड़े घड़े की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यदि यह घड़ा पहले से भरा हो, तो क्या इसमें नया जल डाला जा सकता है?' युवक बोला, 'नहीं।' तब सुकरात ने शांत स्वर में कहा, 'यही कारण है कि मैं स्वयं को अज्ञानी कहता हूं, ताकि सीखने की जगह बनी रहे।' युवक कुछ देर चुप रहा और फिर बोला, 'तो क्या यही सच्ची बुद्धि है?' सुकरात ने उत्तर दिया, 'जो अपनी सीमाएं पहचान लेता है, वही आगे बढ़ने योग्य होता है।' उस दिन युवक ने समझा कि अहंकार ज्ञान को रोकता है, और विनम्रता ही सीखने का द्वार खोलती है।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है।

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है।

इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए।

नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरुआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है।

नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं।

दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा।

देश दुनिया से

अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ पर रस्साकशी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रिय शगल है टैरिफ-टैरिफ खेलना, दुनिया के तमाम देशों को नियंत्रित करने के लिए टैरिफ को अंतर्राष्ट्रीय हथकंडे के तौर पर, एक अस्त्र के तौर पर इस्तेमाल करना उनका शौक रहा। इसी क्रम में अब अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ युद्ध का नया सीजन शुरू हो गया। दोनों देशों के बीच इसे लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप ने अब नई धमकी दी है कि कनाडा की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और स्टील पर टैरिफ को वह 1 जनवरी से 50 फीसदी तक बढ़ा देंगे, इससे कनाडा में खलबली मची है। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार वार्ता टूटने पर दोनों देशों में ठन-सी गई है। जवाब में कनाडा ने घोषणा की थी कि वह भी अमेरिकी उत्पादों पर रेसिप्रोकल 50 फीसदी टैरिफ लगाएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रंप की नई धमकी पर कहा है कि इससे उन्हें कोई हैरत नहीं, क्योंकि ट्रंप का चरित्र इसी तरह का है और वे कनाडा की ऑटो इंडस्ट्री तबाह करना चाहते हैं। लेकिन दोहराया कि अगर अमेरिका 'सही रवैये' के साथ आता है तो ट्रेड वार्ता फिर से शुरू हो सकती है। अमेरिका व कनाडा में ये टकराव नया नहीं। ट्रंप ने सत्ता दोबारा संभालते ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की मंशा जाहिर की थी, जिससे दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गये थे। कनाडा ने इस इरादे का कड़ा विरोध भी किया था। उसके बाद ट्रंप ने कनाडा के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता का ताजा दौर 21 अगस्त को विफल हो गया और अमेरिका ने कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के उत्पादों

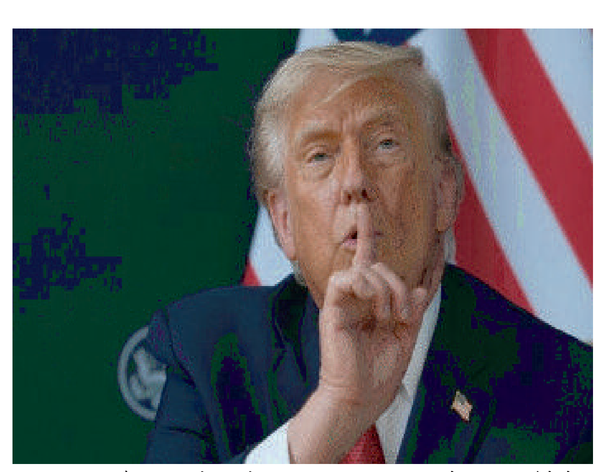

पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। ट्रंप ने कह दिया कि कनाडा, अमेरिका का राज्य बने बिना ही राज्य होने के सारे फायदे चाहता है। यह कनाडा के जले पर नमक छिड़कने जैसा बयान था। इसका कड़ा जवाब दिया कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने, कि वे ट्रंप के टैरिफ का जवाब 'डॉलर के बदले डॉलर' के अंदाज में देंगे और 8 सितंबर से अमेरिकी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। कार्नी ने कहा कि अब अमेरिका और कनाडा टैरिफ वॉर में हैं। अमेरिका के स्टील, डेरी, घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक्स पर भी शुल्क लगेगा। अभी कनाडा के वाहनों पर अमेरिकी टैरिफ गैर-अमेरिकी हिस्से (कंपोनेंट्स) के लिए 25 फीसदी है, जबकि स्टील पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू है। कार्नी ने ट्रंप टैरिफ को युद्ध की संज्ञा देते हुए कहा कि अमेरिका व्यापार समझौते में हमसे बहुत ज्यादा मांग रहा है और हमें बहुत कम दे रहा है। कनाडा ने जो जवाबी टैरिफ अमेरिका पर लगाने की धमकी दी, उसमें अमेरिकी स्टील व डेरी उत्पादों के साथ कृषि उपकरण व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी रखा गया है। कनाडा की मुख्य विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी सहित सभी दलों ने अमेरिका से टैरिफ वॉर में प्रधानमंत्री कार्नी का समर्थन किया। उधर अमेरिका में ट्रंप के टैरिफ वॉर के खिलाफ आवाजें मुखर हैं। इस साल के शुरू में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जिस तरह से ट्रंप टैरिफ का डंडा चला रहे हैं, वह गैरकानूनी है। तब से ट्रंप चोर रास्तों से टैरिफ नीति को लागू किये हैं। अमेरिकी जनता के बड़े हिस्से को लगता है कि ट्रंप के इन फैसलों की वजह से उन्हें उत्पादों की भारी कीमत देनी पड़ती है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप का तर्क है कि इससे अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के मौके पैदा होंगे। पिछले साल अमेरिका व कनाडा दोनों देशों ने एक-दूसरे को 880 अरब डॉलर का सामान व सर्विसेज बेची थी। यानी व्यापार में दोनों ही देशों की अच्छी कमाई होती है और एक-दूसरे पर काफी निर्भर हैं। अमेरिका ने कनाडा और मैक्सिको के साथ साझा व्यापार सुगम बनाने को समझौता भी किया हुआ है। तो टैरिफ वॉर की आंच क्या उक्त नार्थ अमेरिकन ट्रेड पैक्ट पर आएगी? दरअसल दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप टैरिफ को बतौर कूटनीतिक हथियार प्रयोग कर रहे हैं। टैरिफ ट्रंप की व्यापार नीति और विश्व कूटनीति का अहम हिस्सा रहा है। दुनिया भर के देशों को दबाने, मनमाने व्यापार समझौते करवाने, समझौते के लिए दबाव बनाने के हथकंडे के तौर पर टैरिफ का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे पहले ट्रंप ने इसका इस्तेमाल चीन को झुकाने के लिए किया, लेकिन विफल रहे। चीन ने भी अपनी रेयर अर्थ की ताकत को इस्तेमाल किया और जवाबी टैरिफ की घोषणा कर दी। ट्रंप को पैर पीछे खींचने पड़े। ट्रंप ने निशाने पर भारत को भी लिया, टैरिफ का डंडा चलाया। वहीं अपने पड़ोसी देशों पर इसका इस्तेमाल किया। कनाडा पर टैरिफ वॉर शुरू की। अमेरिका चाहता था कि कनाडा के महत्वपूर्ण खनिजों पर उसका विशेषाधिकार रहे और वह किसी अन्य देश से स्वतंत्र समझौता न करे, जिसे कनाडा ने अस्वीकार किया। प्रधानमंत्री कार्नी ने ऐसी शर्त गलत बताई और जवाबी टैरिफ की घोषणा कर दी, जिससे बौखलाकर ट्रंप ने 1 जन. 2027 से कनाडाई ऑटो इंडस्ट्री पर 50 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर दी। अगर ऐसा होता है तो कनाडा के लिए बहुत मुश्किल होगी। व्यापार वार्ता टूटने से फिलहाल दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ गये अरबों डॉलर के व्यापारिक संबंधों में बड़ा बदलाव आया है और अभी समाधान का कोई रास्ता भी नहीं दिख रहा। हालांकि वार्ता के दरवाजे बंद नहीं। अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ कनाडा का बुलंद स्वर ट्रंप के लिए परेशानी बन सकता है।

आप का नज़रिया

प्रकृति की अनदेखी के दुष्परिणाम

पिछले कुछ दशकों में नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों और काठमांडू घाटी में जिस तरह अनियंत्रित और बेतरतीब निर्माण कार्य हुआ है, उसने प्राकृतिक जल निकासी की व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों और बाढ़ के मैदानों में बहुमंजिला इमारतों, सड़कों और व्यावसायिक परिसरों का निर्माण कर लिया गया। जब नदियों के पास बहने के लिए स्वाभाविक जगह ही नहीं बची तो पानी ने आबादी वाले इलाकों का रुख किया।

नेपाल में आई विनाशकारी आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन ने एक बार फिर पूरे दक्षिण एशिया को झकझोर कर रख दिया है। हिमालय की गोद में बसी यह शांत और सुंदर भूमि जिस तरह प्राकृतिक तबाही का केंद्र बनी है, वह केवल एक भौगोलिक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रकृति के बढ़ते रोष और इंसानी बेपरवाही का एक भयावह प्रतीक है। उफनती नदियां, जलमग्न शहर, ताश के पत्तों की तरह बहते पक्के पुल और मलबे के नीचे दबे गांव के गांव केवल नेपाल की आपदा के दृश्य नहीं हैं, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐसी चेतावनी है, जिसे अब और नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित होगा। इस त्रासदी के लिए केवल प्रकृति के मिजाज को जिम्मेदार ठहराना समस्या की गहराई से मुंह मोड़ना होगा। इसके पीछे अनियोजित विकास, पहाड़ों का अविवेकपूर्ण दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसे इंसानी कारण बहुत ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

इसके साथ ही सड़कों के संजाल को फैलाने और रन-आफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजनाओं को खड़ा करने के नाम पर पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई की गई। भारी डायनामाइट विस्फोटों ने संवेदनशील ढलानों की आंतरिक दरारों को और चौड़ा कर दिया है, जिससे वे मामूली बारिश में भी खिसकने लगी हैं। ढलानों से जंगलों की कटाई ने मृदा अपरदन की दर को कई गुना बढ़ा दिया है। पेड़ों की जड़ें जो मिट्टी को बांधकर रखती थीं, उनके गायब होने से बारिश का पानी सीधे सतह पर प्रचंड वेग से बहने लगता है। इसके ऊपर वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन का असर अब अत्यंत प्रत्यक्ष और घातक रूप में सामने आ रहा है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक आपदा के रूप में न देखकर एक सामरिक, वैज्ञानिक और मानवीय चुनौती के रूप में देखा जाए। पारंपरिक रूप से हमारा ध्यान केवल आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक सीमित रहता है। इस प्रतिक्रियात्मक रवैये को बदलकर आपदा जोखिम न्यूनीकरण की दिशा में काम करना होगा। सबसे पहली आवश्यकता एक प्रभावी, आधुनिक और रियल-टाइम पूर्व-चेतावनी प्रणाली को विकसित करने की है। यदि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ आने से कुछ घंटे पहले भी सटीक सूचना मिल जाए तो जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम भारत और नेपाल के बीच जल प्रबंधन को लेकर दशकों पुराने समझौतों और ठप पड़ी वार्ताओं को पुनर्जीवित करना है। कोसी और गंडक परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान देना होगा। केवल बुनियादी ढांचा खड़ा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस ढांचे का नियमित रखरखाव, नदियों से गाद निकालने की निरंतर प्रक्रिया और जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी है। अब पूरे हिमालयी क्षेत्र में विकास की अवधारणा को फिर से परिभाषित करने की सख्त जरूरत है। पहाड़ों में बुनियादी ढांचे का विकास पारिस्थितिकी की कीमत पर नहीं होना चाहिए। सड़कों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के बजाय हरित निर्माण तकनीकों का प्रयोग होना चाहिए। नदियों के तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण को सख्ती से रोकते हुए नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया जाना चाहिए। जब तक पहाड़ों की हरियाली और उसकी मिट्टी की पकड़ मजबूत नहीं होगी, तब तक भूस्खलन और मलबे के साथ आने वाली बाढ़ को नहीं रोका जा सकता। ग्लेशियल झीलों के खतरे से निपटने के लिए आधुनिक उपग्रह निगरानी प्रणालियों का उपयोग कर नियमित मैपिंग की जानी चाहिए और खतरनाक झीलों से साइफनिंग तकनीक द्वारा पानी को नियंत्रित रूप से बाहर निकालकर उनके जलस्तर को सुरक्षित सीमा में रखा जाना चाहिए। सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देना और उन्हें पूर्व-चेतावनी नेटवर्क से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। जब तक विज्ञान, नीति-निर्माण और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का सही समन्वय नहीं होगा, तब तक हम इस प्राकृतिक और मानवजनित आपदा के भंवर से बाहर नहीं निकल पाएंगे।

दृष्टि कोण

युवा चेतना का अवसान

आज का समाज एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है जहाँ प्रगति की चकाचौंध तो है, पर संस्कार का प्रकाश लुप्तप्राय है। विडंबना यह है कि जिस युवा शक्ति के कंधों पर राष्ट्र के नवनिर्माण का भार था, वही आज 'स्वतंत्रता' के नाम पर परोसी जा रही 'मानसिक दासता' का शिकार हो चुकी है। समाज दिशाहीनता के उस भंवर में है, जहाँ कुरीतियों ने अपने अदृश्य पर बहुत गहरे जाल फैला दिए हैं। आधुनिकता के छद्म जाल में सिसकती हुई मर्यादा हो गई है। कुरीतियों का सूक्ष्म प्रहार और विवेक का अंत हो गया है। आज की कुरीतियां पुरानी रूढ़ियों जैसी नहीं हैं जो दूर से पहचानी जा सकें। ये आधुनिकता का चोला पहनकर आती हैं। सोशल मीडिया के 'ट्रेंड्स', 'लाइक' की भूख और वर्चुअल दुनिया की कृत्रिमता—ये दिखने में बहुत छोटी और निर्दोष लगती हैं, लेकिन इनका प्रभाव हमारे आज्ञाकारी युवाओं के मस्तिष्क पर इतना गहरा है कि उनका अपना मौलिक 'विवेक' मर चुका है। युवा अब वह नहीं सोचता जो सही है, वह वही करता है जो 'दिखाया' जा रहा है। चरित्रहीनता और अमर्यादित आचरण का उत्सव मनाया जाता है। मर्यादा, जो कभी भारतीय संस्कृति का आभूषण थी, उसे आज 'पिछड़ापन' घोषित कर दिया गया है। बड़ों का अनादर, अभद्र भाषा का प्रयोग और उच्छृंखल व्यवहार को 'कॉन्फिडेंस' और 'एटीट्यूड' का नाम देकर महिमामंडित किया जा रहा है। जब शिक्षा केवल जीविकोपार्जन का साधन मात्र रह जाए और उसमें योग दर्शन जैसी चारित्रिक दृढ़ता का अभाव हो, तो युवा उसी शक्ति की तरह हो जाता है जिसके पास बल तो है, पर दिशा देने वाला संस्कार नहीं। बन गया है।

सबसे भयावह स्थिति अश्लीलता की गिरफ्त है। मनोरंजन के नाम पर जो परोसा जा रहा है, उसने युवा मानस को वासना के उस गर्त में धकेल दिया है जहाँ से वापसी का मार्ग धुंधला है। यह अश्लीलता केवल नग्नता तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों की वह गंदगी है जो संबंधों की पवित्रता और स्त्री-पुरुष के गरिमापूर्ण आचरण को नष्ट कर रही है। युवा इस अश्लीलता की डोर में इतना कस चुका है कि उसे अपनी इस 'कैद' से ही प्यार होने लगा है। चकाचौंध का आकर्षण और नीतियों का षडयंत्र सर्वत्र व्याप्त हो गया है। आज का वातावरण केवल 'उपभोग' सिखाता है। बाज़ारवाद की नीतियां ऐसी बुनी गई हैं कि युवा को अपनी जड़ों से काटकर केवल बाहरी चमक-दमक का गुलाम बना दिया जाए। वह चमक जिसे वह 'सफलता' समझ रहा है, वास्तव में उसके पतन का मार्ग है। संस्कारहीनता का यह वायरस आज की दोषपूर्ण शिक्षा और दूषित परिवेश के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी फैल रहा है। न्यूरोसाइंस कोर्स का अध्ययन करना राष्ट्र पर दुष्प्रभाव जिससे नींव ढह रही है। युवा शक्ति का यह पतन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा है। जिस देश का युवा विवेकहीन, चरित्रहीन और अश्लीलता की डोर में जकड़ा हो, उस राष्ट्र की 'बौद्धिक संपदा' और 'सांस्कृतिक अस्मिता' धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। इसका सीधा परिणाम बढ़ते सामाजिक अपराधों, पारिवारिक विखंडन और राष्ट्रीय उत्पादकता में गिरावट के रूप में सामने आता है। जब राष्ट्र का 'यौवन' ही वासना के दलदल में धंसा हो, तो वह देश 'विश्वगुरु' बनने के बजाय केवल एक 'मानसिक गुलामों का बाज़ार' बनकर रह जाता है। यह दिशाहीनता हमारे देश को एक ऐसी वैचारिक दरिद्रता की ओर ले जा रही है, जिससे उबरने में कई सदियाँ लग सकती हैं। शिक्षा तो बिना आत्मा का शरीर जैसे प्रस्तुत हो रहा है। हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली केवल 'कौशल' सिखा रही है, 'चरित्र' नहीं। जहाँ योग दर्शन और व्यास भाष्य जैसे ग्रंथों की गहराई से जीवन जीना सिखाया जाना था, वहाँ आज केवल 'पैकेज' की दौड़ है।

मैदान बदले, मंजिल नहीं... : अनाहत-मनिका से श्वेता-सिमरन तक, बेटियों ने खेलों में गढ़ी नई पहचान और बनीं प्रेरणा

नई दिल्ली

राजधानी की बेटियां अब खेल के मैदान में सिर्फ पदकों के पीछे नहीं, बल्कि अपनी मेहनत और जज्बे से नई पहचान गढ़ रही हैं। 2025-26 का खेल सत्र ऐसी खिलाड़ियों की कहानियों से भरा है, जिन्होंने स्क्वैश, टेबल टेनिस, क्रिकेट और रग्बी में दिल्ली का नाम रोशन किया।

इन खिलाड़ियों ने विपरीत परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। किसी ने घंटों अभ्यास कर तकनीक को निखारा तो किसी ने चोट और चुनौतियों के बावजूद मैदान पर वापसी की। इनकी उपलब्धियां केवल पदकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि शहर की दूसरी बेटियों के लिए प्रेरणा भी बन रही हैं। परिवार और कोच के सहयोग के साथ इन खिलाड़ियों ने अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर मेहनत को अपनी सफलता का मंत्र बनाया।

खेल विशेषज्ञों का मानना है कि दिल्ली में महिला खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षण मिलने से आने वाले वर्षों में ऐसी प्रतिभाओं की संख्या और बढ़ेगी। ये बेटियां साबित कर रही हैं कि अवसर मिले तो वे हर मैदान में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

देश को पहला विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनाया – अनाहत सिंह दिल्ली की 18 वर्षीय स्क्वैश खिलाड़ी ने जुलाई 2026 में इतिहास रचते हुए भारत को पहला विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनाया। कनाडा में हुए फाइनल में उन्होंने मिस्र की रुकय्या सलेम को हराकर खिताब अपने नाम किया। जूनियर विश्व चैंपियनशिप पर लंबे समय से मिस्र के खिलाड़ियों का दबदबा था। अनाहत अब जूनियर स्तर से आगे बढ़कर सीनियर सर्किट और 2028 ओलंपिक की तैयारियों पर ध्यान दे रही हैं। फिलहाल वे अपने आने वाले टूर्नामेंट के लिएलगातार मेहनत कर रहीं हैं।

टेबल टेनिस में खुद को किया साबित – मनिका बत्रा ने टेबल टेनिस में दिल्ली की पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया है। मार्च में आईटीटीएफ विश्व कप में उन्होंने अमेरिका की लिली झांग को हराया। भारतीय टीम में एशियन गेम्स के लिए जगह नहीं मिलने के बावजूद मनिका ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिस्पर्धा जारी रखी और युवा खिलाड़ियों के बीच खुद को लगातार साबित करने की चुनौती स्वीकार की।

घरेलू क्रिकेट से आगे बढ़कर अंडर-19 टीम में पहुंचीं – क्रिकेट में श्वेता सहरावत दिल्ली की नई पीढ़ी की प्रमुख प्रतिभाओं में हैं। दिल्ली की घरेलू क्रिकेट से आगे बढ़कर उन्होंने भारत की अंडर-19 टीम में अपनी पहचान बनाई और अब सीनियर स्तर पर भी आगे बढ़ रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रिया पूनिया के तूफानी शतक से साउथ दिल्ली की बड़ी जीत, ईस्ट दिल्ली को 70 रन से हराया

नई दिल्ली। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने महिला दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 70 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए मुकाबले में साउथ दिल्ली की जीत की सबसे बड़ी नायिका सलामी बल्लेबाज प्रिया पूनिया रहीं, जिन्होंने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। प्रिया पूनिया ने महज 66 गेंदों पर 117 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में 13 चौके और छह छक्के शामिल रहे। पूनिया ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। उन्होंने मैदान के चारों ओर शानदार शाट लगाए और नियमित अंतराल पर बाउंड्री हासिल करते हुए रन गति को तेज बनाए रखा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से दूसरे छोर पर मौजूद बल्लेबाजों को भी खुलकर खेलने का मौका मिला। पूनिया की शानदार पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 180 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया और ईस्ट दिल्ली राइडर्स के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साउथ दिल्ली के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाकर राइडर्स को दबाव में रखा। इससे 14वें ओवर तक ईस्ट दिल्ली की टीम ने 61 रन तक पांच विकेट खो दिये।

महिला हाकी वर्ल्ड कप : अर्जेंटीना ने तीसरी बार खिताब जीता, पैनाल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को 3-1 से हराया

एम्सटलवीन। अर्जेंटीना ने नौ बार की विजेता डच टीम नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच हाकी विश्वकप जीत लिया है। दोनो ही टीमों के बीच ये मुकाबला बेहद कड़ा रहा और तय समय में परिणाम नहीं निकलने के बाद इसका फैसला पैनाल्टी शूटआउट में हुआ। इसी के साथ ही अर्जेंटीना ने तीसरी बार विश्वकप जीता है। अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी यह खिताब जीता था। वही डच टीम का लगातार चौथा विश्व कप जीतने का सपना टूट गया। अर्जेंटीना ने इसी के साथ ही पिछली बार नीदरलैंड से मिली करारी हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। फाइनल मुकाबला तय समय तक 1-1 से बराबरी पर रहा। डच टीम की ओर से जैनसेन यिब्बी ने मैच के 30वें मिनट पर पहला गोल किया। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से ग्रनाटो मारिया ने 54वें मिनट में एक गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया। बढ़ा। पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना की खिलाड़ियों ने काफी अच्छा खेल देखाते हुए डच टीम को 3-1 से हरा दिया। अर्जेंटीना के लिए विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने एक-एक गोल किये।

बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कर सकता हूं : वैभव

नई दिल्ली। 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने कहा है कि वह बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कर सकते हैं। दलीप ट्राफी 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वह बल्लेबाजी में विफल रहे थे पर गेंदबाजी में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वैभव ने उन्हें गेंदबाजी का अवसर मिलने को लेकर मजाकिया अंदाज में कहा कि ब मैच के दौरान विपक्षी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे और टीम को सफलता की तलाश थी, तब उन्हें दो-तीन ओवर गेंदबाजी करने के लिए कहा गया। उस समय कप्तान ईशान किशन को शायद लगा होगा कि उन्हें गेंदबाजी देना एक जोखिम भरा फैसला है पर उन्हें यह नहीं पता था कि वह एक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। उन्होंने कहा, अगर किसी बल्लेबाज से पूछा जाए तो वह बताएगा कि उसे गेंदबाजी करने में मजा आता है जबकि गेंदबाज को बल्लेबाजी करने में। दोनों को एक दूसरे काम का आनंद मिलता है। उन्होंने बताया कि गेंदबाजी के दौरान उनके मन में यही था कि चाहे वह कितने भी विकेट ले लें, उन्हें कुछ ओवर ही गेंदबाजी करनी है। इसलिए उन्होंने मिले हुए मौकों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की, जिसका फल दो महत्वपूर्ण विकेटों के रूप में मिला। बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद गेंदबाजी के जरिए टीम के लिए योगदान देना वैभव को काफी संतोषजनक लगा। उनके अनुसार, एक बल्लेबाज के लिए विकेट लेना भी बेहद रोमांचक अनुभव होता है और उन्होंने अपने द्वारा लिए गए दोनों विकेटों का पूरा आनंद लिया। यह युवा खिलाड़ी की खेल भावना और हर हाल में टीम की जीत में योगदान देने की इच्छा को दर्शाता है।

यूपी टी20 लीग : कानपुर ने नोएडा को 8 विकेट से हराया, समीर रिजवी ने खेली तूफानी पारी

कानपुर

कानपुर सुपरस्टार्स ने समीर रिजवी की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर यूपी टी20 लीग 2026 के 25वें मुकाबले में नोएडा किंग्स को आठ विकेट से हरा दिया। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में रिजवी ने महज 39 गेंदों पर नाबाद 91 रन की विस्फोटक पारी खेलकर कानपुर को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ कानपुर की प्लेआफ की उम्मीदें भी मजबूत बनी हुई हैं, जबकि नोएडा किंग्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

प्लेयर आफ द मैच चुने गए रिजवी ने अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। उनके साथ अभिषेक पांडे ने भी नाबाद 30 रन की पारी खेली। दोनों की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत कानपुर ने 129 रन के लक्ष्य को महज 10.4 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारी बारिश के कारण मुकाबला देर से शुरू हुआ, जिसके बाद ग्रीन पार्क के ग्राउंड स्टाफ ने शानदार काम करते हुए मैच को 12-12 ओवर का कर दिया। नोएडा किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती ओवरों में तेज शुरुआत की। शोएब सिद्दीकी ने 10 गेंदों पर 20 और माधव कौशिक ने महज 11 गेंदों पर 31 रन बनाकर टीम को 2.2 ओवर में 45/0 तक पहुंचा दिया।

हालांकि, इसके बाद कानपुर के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की। यशोवर्धन सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में महज 10 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और एक मेडन ओवर भी डाला। उनकी शानदार गेंदबाजी के कारण नोएडा किंग्स का स्कोर जल्द ही 69/5 हो गया। इसके बाद कप्तान प्रशांत वीर ने मोर्चा संभाला और 27 गेंदों पर नाबाद 50 रन की शानदार पारी खेलकर नोएडा किंग्स को 12 ओवर में 128/6 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 129 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे समीर रिजवी ने मोर्चा संभाला और आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नोएडा के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। रिजवी ने अभिषेक पांडे के साथ मिलकर टीम को 8 दिन शेष रहते जीत दिला दी। रिजवी ने 39 गेंदों पर नाबाद 91 रन और अभिषेक पांडे ने 17 गेंदों पर नाबाद 30 रन की पारी खेली।

मैच के बाद रिजवी ने बताया कि टूर्नामेंट की शुरुआत में लगी उंगली की चोट के कारण वह शुरुआती एकादश में शामिल नहीं हो पा रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्ररक्षण के दौरान उंगली पर गेंद लगने से दर्द बढ़ जाता था और इसका असर बल्लेबाजी पर भी पड़ रहा था। ऐसे में टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया गया।

रिजवी ने कहा, पहले मैच में कैच लेते समय मेरी उंगली में चोट लग गई थी। इसके बाद क्षेत्ररक्षण के दौरान काफी परेशानी हो रही थी। मैंने प्रबंधन से कहा कि मैं इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलना चाहता हूं, क्योंकि क्षेत्ररक्षण के दौरान उंगली पर गेंद लगने से दर्द बढ़ जाता था और बल्लेबाजी में भी परेशानी होती थी।

रिजवी ने पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की रणनीति अपनाई। उन्होंने कहा कि 12 ओवर के छोटे मुकाबले में पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाना बेहद जरूरी था। उनके मुताबिक, अगर शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बना लिए जाएं तो बाद में लक्ष्य को नियंत्रित करना आसान हो जाता है। रिजवी ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा कि वह स्कोरबोर्ड के दबाव के बारे में नहीं सोच रहे थे। उनका लक्ष्य सिर्फ उसी अंदाज में बल्लेबाजी करना था, जिस तरह वह सामान्य तौर पर खेलते हैं। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ यही सोच रहा था कि अपना खेल खेलूंगा और उसी तरह अंत तक बल्लेबाजी करूंगा। मुझे पांच रन चाहिए हों या 50, मैंने पहले ही अपना माइंडसेट तय कर लिया था। मैं यह नहीं सोच रहा था कि दूसरे छोर पर कौन बल्लेबाजी कर रहा है या कोई मेरा साथ दे रहा है या नहीं। मुझे खुद पर भरोसा था कि मुझे ही रन बनाने हैं। रिजवी ने टीम के कार्यवाहक कप्तान आदर्श सिंह की कप्तानी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नोएडा की तेज शुरुआत के बावजूद आदर्श ने गेंदबाजी में अच्छे बदलाव किए और टीम को मुकाबले में वापस लाए। उनके मुताबिक, विकेट बल्लेबाजी के लिए आसान था, लेकिन कप्तान ने परिस्थितियों को अच्छी तरह संभाला और नोएडा को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

क्रोएशियाई फुटबालर लुका मोड्रिक अगले एक साल तक मिलान में ही रहेंगे

रोम

क्रोएशियाई फुटबालर लुका मोड्रिक अब साल 2027 तक इटली के क्लब एसी मिलान के साथ ही रहेंगे। मोड्रिक ने क्लब के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इसी के साथ ही अब मोड्रिक जून 2027 तक मिलान की ओर से खेलेंगे। सितंबर में 41 साल के होने जा रहे इस क्रोएशियाई खिलाड़ी का यह फैसला उनके असाधारण खेल भावना और मैदान पर बने रहने की उनकी अटूट इच्छा को दर्शाता है।

गौरतलब है कि पिछले साल, मोड्रिक ने स्पेनिश टीम रियल मैड्रिड के साथ अपने 13 साल के करार को तोड़कर मिलान से करार किया था। वहीं रियल के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद उन्होंने नए अध्याय की शुरुआत की थी। एसी मिलान के लिए अपने पहले सत्र में उन्होंने कुल 37 मुकाबले खेले और दो अहम गोल किये। हालांकि, टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, और वह सेरी ए में पांचवें स्थान पर रही जबकि कोपा इटालिया में अंतिम-16 दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बावजूद, मोड्रिक का अनुभव और मैदान पर उनकी उपस्थिति टीम के लिए काफी लाभदायकर रही।

मोड्रिक ने पहले फीफा विश्व कप 2026 के बाद संन्यास की बात कही थी पर अब उन्होंने क्लब फुटबाल के साथ ही बने रहना तय किया है। मिलान ने अपने बयान में मोड्रिक के करार बढ़ाने की पुष्टि करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। क्लब ने कहा कि मिडफील्ड में आने के बाद से, मोड्रिक ने अपने अपार अनुभव, अथक मेहनत और अद्वितीय खेल कौशल से टीम को लगातार मजबूती दी है। वे आने वाले सत्र में भी टीम के लिए एक अहम भूमिका निभाएंगे और नंबर-14 की अपनी जर्सी में नजर आयेंगे। वह साल 2012 में इंग्लैंड के टोटेनहम हाटस्पर से रियल मैड्रिड आए थे, जहाँ उन्होंने शुरुआती मुश्किलों के बावजूद अपने क्लब इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में अपने को साबित किया। रियल मैड्रिड के लिए उन्होंने लगभग 600 मैच खेले और करीब 30 बड़े खिताब अपने नाम किए, जिनमें छह यूईएफए चैंपियंस लीग ट्राफी और चार ला लीगा खिताब शामिल हैं।

उनकी उपलब्धियों में 2018 का बैलन डीओर पुरस्कार शामिल है। उन्होंने लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के एक दशक से अधिक समय के दबदबे को तोड़कर यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया था। मैदान पर उनकी शानदार पासिंग क्षमता, गेंद पर बेहतरीन नियंत्रण और खेल को गहराई से समझने की उनकी अनूठी कला उन्हें दुनिया के सबसे बेहतरीन मिडफील्डर बनाती है।

बहन एरिका से प्रभावित रही है मीरा एंड्रीवा

न्यूयार्क। रुस की महिला टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने अपनी सफलता का श्रेय बड़ी बहन एरिका एंड्रीवा को दिया है। साथ ही कहा कि एरिका उनकी आदर्श रही हैं। वह हमेशा से ही उसका उत्साह बढ़ाती रही है। मीरा ने कहा कि एरिका के साथ बड़े होने से उन्हें एक टेनिस खिलाड़ी के रूप में निखरने में सहायता मिली है। मीरा ने बताया, मुझे लगता है कि मुझे ज्यादा लाभ हुआ क्योंकि मैं छोटी हूं। टेनिस के लिहाज से, मुझे उतने टूर्नामेंट नहीं खेलने पड़े जितने उन्होंने खेले, और शायद इससे मेरा कुछ समय बच गया। वह हमेशा स्कूल में मेरी मदद करती थीं और मुझे बहुत सारी सलाह देती थीं। मैं हमेशा उनकी नकल करती थी, क्योंकि वह मेरी आदर्श थीं और अब भी हैं। यह दिखाता है कि कैसे छोटी बहन को बड़ी बहन के अनुभवों से सीखने और गलतियों से बचने का अवसर मिला, जिससे मीरा को अपने करियर की शुरुआत में ही एक मजबूत नींव मिली। गौरतब है कि पेशेवर टेनिस में एंड्रीवा बहनों ने कभी भी प्रतिस्पर्धा को अपने रिश्ते पर प्रभाव डालने नहीं होने दिया। मीरा ने जोर देकर कहा, हम कभी भी एक-दूसरे के साथ सच में प्रतिस्पर्धी नहीं थीं।

अपने खेल पर ही ध्यान दें युवा प्रतिभाएं अवसर अपने आप मिलेंगे : सूर्यकुमार

मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उभरती हुई युवा प्रतिभाओं से कहा है कि वे अपने खेल पर ही ध्यान दे क्योंकि अगर उनका प्रदर्शन अच्छा रहेगा तो टीम में अवसर अपने आप मिल जाएंगे। सूर्यकुमार के अनुसार चयनकर्ताओं की नजरें बेहतर खिलाड़ियों की तलाश में लगी रहती हैं। इसलिए इन खिलाड़ियों को अपने चयन को लेकर चिन्ता नहीं करनी चाहिये।

सूर्यकुमार ने युवा प्रतिभाओं से किसी और से अपनी तुलना न करने की भी अपील की क्योंकि कोई किसी अन्य की तरह नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, मैं युवाओं से अपील करूंगा कि वे अपनी तुलना किसी और से न करें क्योंकि हर किसी की कहानी अलग होती है और हर किसी का एक अलग अंदाज होता है। यह टिप्पणी उन दबावों को दिखाती है जिनका सामना युवा खिलाड़ी आम तौर पर दूसरों की सफलता को देखकर करते हैं।

सूर्यकुमार ने इस दौरान अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया, जब उन्होंने घरेलू क्रिकेट में कड़ी मेहनत की, ट्रेन से कई यात्राएं कीं और बड़े मंच पर अपने अवसर का काफी समय तक इंतजार किया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट प्रणाली में मौजूद भारी दबाव पर भी बात की, जहां अक्सर युवा खिलाड़ियों को लगता है कि उन्हें बहुत कम उम्र में ही उच्चतम स्तर पर पहुंचना है, अन्यथा उनका करियर समाप्त हो जाएगा।

उन्होंने कहा, भारत में, ज्यादातर लोग सोचते हैं कि अगर आप 21 या 25 साल की उम्र तक कहीं नहीं पहुंचे, तो आपका करियर खत्म हो गया और आपको कोई दूसरा विकल्प चुनना पड़ सकता है। हालांकि, सूर्यकुमार ने कहा कि ये धारणा गलत है। उन्होंने कहा, , उम्र कभी भी किसी खिलाड़ी की किस्मत तय नहीं करती। मुझे लगता है कि उम्र कोई आधार नहीं है, सबसे महत्वपूर्ण बात आपकी तैयारी है। यह संदेश उम्र को सफलता की बाधा मानने वाले युवाओं के लिए एक बड़ी राहत है।

सूर्यकुमार ने युवाओं से अपने कौशल को लगातार बेहतर बनाने और अपनी प्रगति के प्रति प्रतिबद्ध रहने की सलाह दी, खासकर तब जब कोई उन्हें देख न रहा हो। उनका मानना है कि यही लगन और निरंतर प्रदर्शन चयनकर्ताओं का ध्यान खींचता है। आपका प्रदर्शन ही चयनकर्ताओं का ध्यान आपकी तरफ खींचता है, उन्होंने स्पष्ट किया। उन्होंने अपने करियर का ही उदाहरण दिय है। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद, उन्हें भारतीय टीम में अवसर 31 साल की अपेक्षाकृत अधिक उम्र में मिला था। इस देरी के बावजूद, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी योग्यता साबित की और टी20 फार्मेट में लंबे समय तक दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने रहे। उनके उल्लेखनीय करियर में लगातार दो टी20 विश्व कप जीतना भी शामिल है—2024 में एक खिलाड़ी के रूप में और 2026 में भारतीय टीम के कप्तान के रूप में, जो उनकी दृढ़ता और प्रतिभा का प्रमाण है।

अगले माह छह मुकाबले खेलेगी भारतीय टीम, विराट और रोहित भी खेलते दिखेंगे

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम को अगले माह सितंबर में करीब छह मुकाबले खेलने हैं, जिससे प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज भी इस दौरान खेलते हुए दिखेंगे। इसे अलावा उभरते खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी भी उतरेंगी। इस माह भारतीय टीम दो देशों से द्विपक्षीय सीरीज और एक मल्टी-नेशन टूर्नामेंट भी खेलेगी।

शुरुआत अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ होगी। ये सभी मुकाबले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे और शाम 7:00 बजे से इनका सीधा प्रसारण होगा। सीरीज का पहला मैच 13 सितंबर 2026 को होगा, जिसके बाद 15 और 17 सितंबर को दूसरा और तीसरा टी20 मैच खेला जाएगा। यह सीरीज भारतीय टीम के टी20 विश्वकप की तैयारियों को देखते हुए महत्वपूर्ण होगी, खासकर युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा और वे अपनी जगह पक्की करने के प्रयास करेंगे। वहीं महीने के अंत में भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय के पहले दो मुकाबलों में खेलेगी। सीरीज का पहला एकदिवसीय 27 सितंबर 2026 को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में दोपहर 2:00 बजे से खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा एकदिवसीय मैच 30 सितंबर 2026 को डा. भूपेन हजारिका क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। ये एकदिवसीय मुकाबले 2026 के सीमित ओवरों के क्रिकेट कैलेंडर में भारत की स्थिति को मजबूत करने में सहायक होंगे, और खिलाड़ियों के पास अपनी फार्म को आंकने का सुनहरा अवसर होगा। इन द्विपक्षीय सीरीज के बीच, भारतीय टीम 2026 एशियाई खेलों के टी20 क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भी हिस्सा लेगी। यह महत्वपूर्ण मैच 28 सितंबर 2026 को जापान के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में भारतीय टीम 6 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी, जिसमें चार टी20 और दो एकदिवसीय मुकाबले शामिल हैं। यह महीना क्रिकेट प्रेमियों के लिए नान-स्टाप एक्शन और रोमांच लेकर आएगा, जहाँ उन्हें भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट के बजाय केवल सीमित ओवरों के प्रारूप में ही मैदान पर देखने का मौका मिलेगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राजस्थानी श्रावणी समिति द्वारा श्रावणी उपाकर्म एवं यज्ञोपवीत पूजन कार्यक्रम संपन्न

राजस्थान भवन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दशविध स्नान, तर्पण, हवन एवं नूतन जनेऊ धारण

निजामाबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी श्रावणी समिति द्वारा शुक्रवार, दिनांक 28 अगस्त 2026 को राजस्थान भवन, निजामाबाद में श्रावणी उपाकर्म एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पंडित गोपाल महाराज (दायमा), लक्ष्मीनारायण मंदिर के आचार्यत्व में विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान श्रावणी उपाकर्म, दशविध स्नान, देव, ऋषि एवं पितृ तर्पण, गायत्री माता पूजन, यज्ञोपवीत पूजन, हवन, सत्यनारायण कथा एवं नूतन जनेऊ धारण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान वैदिक विधि-विधान से संपन्न कराए गए।कार्यक्रम के पश्चात महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में राजस्थानी समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा तन-मन-धन से सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के आयोजन एवं सफल संचालन में जगदीश व्यास, मुरलीमनोहर लोया, घनश्याम उपाध्याय एवं रामस्वरूप डालिया का विशेष सहयोग रहा। समिति की ओर से सभी सहयोगकर्ताओं एवं समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

अग्रवाल समाज बीदर शाखा की श्रावण की सैर संपन्न

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की बीदर शाखा द्वारा श्रावण मास के उपलक्ष्य में सैर का आयोजन शिवम् रिसॉर्ट्स, उदगीर में किया गया।

एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से शाखा के मानद मंत्री कमल मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में शाखा अध्यक्ष संजय गोयल, मंत्री कमल मित्तल, कोषाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, सहमंत्री दीपक गोयल एवं केंद्रीय समिति सदस्य सचिन गोयल सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य अपने परिवारों के साथ उपस्थित थे।इस अवसर पर सभी महिला, पुरुष, बालक एवं बालिकाओं ने विभिन्न वाटर गेम्स और खेलकूद गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा मनोरंजन का भरपूर आनंद उठाया। आयोजन के दौरान स्वादिष्ट भोजन की भी व्यवस्था की गई, जिसका सभी उपस्थित सदस्यों ने आनंद लिया। श्रावण की सैर का यह आयोजन आपसी मेल-मिलाप, पारिवारिक सौहार्द एवं मनोरंजन के वातावरण में संपन्न हुआ और सभी के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

आर्क अर्थ और आर्क आर्यमा

हैदराबाद। आर्क ग्रुप ने कोंगरा कालान में दो प्रीमियम विला कम्युनिटी 0 आर्क अर्थ और आर्क आर्यमा 0का शुभारंभ किया है। यह लॉन्च लक्जरी रेसिडेंशियल लिविंग के क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ता है। शुभारंभ समारोह में परमपूज्य श्री श्री श्री श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी की उपस्थिति रही, जिनके आशीर्वाद ने इस अवसर को आध्यात्मिक महत्व और पवित्रता प्रदान की।

उनकी गरिमामयी उपस्थिति आर्क ग्रुप के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक बनी, जो आधुनिक जीवन, सामुदायिक भावना और समग्र कल्याण को एक साथ लाने वाले स्थानों के निर्माण के महत्व को दर्शाती है।

आर्क अर्थ और आर्क आर्यमा के माध्यम से आर्क ग्रुप समकालीन लक्जरी को पुनर्परिभाषित करना चाहता है। ये परियोजनाएं गोपनीयता, प्रकृति, विशाल रहने की जगह और विश्व स्तरीय सुविधाओं को सोच-समझकर डिजाइन किए गए स्थानों में एक साथ लाती हैं।

कोंगरा कालान में रणनीतिक रूप से स्थित आर्क अर्थ और आर्क आर्यमा हैदराबाद के सबसे आशाजनक विकास गलियारों में से एक में स्थित हैं।

यहां मजबूत कनेक्टिविटी और तेजी से विकसित हो रहा इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम उपलब्ध है। इन परियोजनाओं को भारत फ्यूचर सिटी के उभरने से लाभ मिलेगा, जो 765 वर्ग किलोमीटर का नियोजित शहरी विकास है। इसमें औद्योगिक, आवासीय, शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन क्षेत्र एकीकृत रूप से शामिल हैं। इस क्षेत्र को विस्तारित कनेक्टिविटी और प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर निवेशों का भी समर्थन प्राप्त है, जिसमें प्रस्तावित मेट्रो फेज-खख विस्तार, राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर बेहतर पहुंच तथा हवाई अड्डे का नियोजित विस्तार शामिल है। प्रस्तावित बुलेट ट्रेन हब और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर विकासों के साथ कोंगरा कालान भविष्य-उन्मुख आवासीय विकास के लिए एक रणनीतिक स्थान के रूप में उभर रहा हैं।

जिन्नाराम में पोचम्मा तल्ली मंदिर में प्रतिमा स्थापना समारोह आयोजित

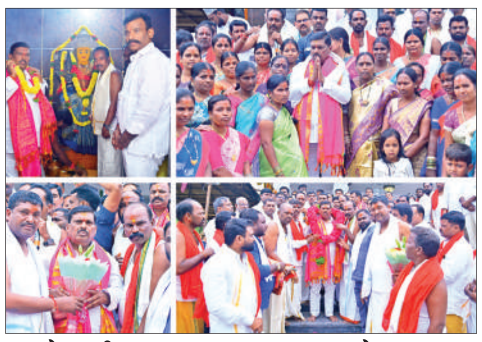

पेद्दापल्ली, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिन्नाराम नगर केंद्र में माला संगम के तत्वावधान में नवनिर्मित श्री श्री श्री पोचम्मा थल्ली मंदिर में रविवार को भव्य प्रतिमा स्थापना समारोह आयोजित किया गया। पटनचेरु विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और देवी की विशेष पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर विधायक ने मंदिर निर्माण एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए अपने निजी कोष से 12 लाख रुपये का दान देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मंदिर आध्यात्मिक केंद्र होने के साथ समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम भी हैं। उन्होंने भविष्य में भी मंदिर के विकास के लिए सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में पूर्व जेडपीटीसी बाल रेड्डी, वरिष्ठ नेता वेंकटेश गौड़, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मंदिर समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली में तीन केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से हुई नीट-पीजी परीक्षा

पेद्दापल्ली, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को आयोजित नीट-पीजी 2026 परीक्षा के मद्देनजर रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने पेद्दापल्ली के ट्रिनिटी इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और अन्य सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली।पुलिस आयुक्त ने बताया कि पेद्दापल्ली क्षेत्र के तीन केंद्रों0मदर टेरेसा इंजीनियरिंग कॉलेज, ट्रिनिटी इंजीनियरिंग कॉलेज और जेएनटीयू इंजीनियरिंग कॉलेज0में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए कड़ी सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की गई थी। उन्होंने बताया कि परीक्षा सामग्री के सुरक्षित परिवहन के लिए भी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने परीक्षार्थियों से बिना किसी चिंता के शांतिपूर्वक परीक्षा देने की अपील की।

इंदिरानगर स्थित श्री श्री श्री बंगारु मैसम्मा मंदिर के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर मंगलहट की पूर्व कॉरपोरेटर परमेश्वरी सिंह ने मंदिर में पहुंचकर अम्मावरी के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भास्कर अन्ना, राकेश सिंह, शशिराज सिंह, विनोद अन्ना सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मोदी...

लेकिन बात सिर्फ यूरेनियम तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने व्यापार और निवेश बढ़ाने, रक्षा सहयोग मजबूत करने, डिजिटल संपर्क बढ़ाने और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को आगे ले जाने पर भी सहमति जताई है।

यानी ताशकंद में भारत ने एक साथ तीन महत्वपूर्ण मोर्चों पर दांव लगाया है0ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज और मध्य एशिया में रणनीतिक पहुंच।

योग, संस्कृति और विरासत से भी मजबूत हुए रिश्ते

ताशकंद में कूटनीति के साथ-साथ भारत की संस्कृति और विरासत की भी पूरी झलक दिखाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने दिन की शुरुआत योग कार्यक्रम से की। उज्बेकिस्तान की योग महासंघ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने हिस्सा लिया और वहां मौजूद लोगों को योग के महत्व से भी अवगत कराया।

शाम को प्रधानमंत्री मोदी लाल बहादुर शास्त्री स्मारक पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वह ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में बने महात्मा गांधी केंद्र पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक रहा।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यांगी उज़्बेकिस्तान स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित कर उज्बेकिस्तान की ऐतिहासिक विरासत को सम्मान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे में वह पल भी आया, जिसने ताशकंद यात्रा को कूटनीतिक से ज्यादा भावनात्मक बना दिया। भारतीय समुदाय ने प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत किया। भारतीय और उज्बेक संस्कृति का शानदार संगम दिखाई दिया। बॉलीवुड से लेकर कथक तक ताशकंद में भारत की सांस्कृतिक ताकत की झलक देखने को मिली।

यानी ताशकंद में संदेश साफ था कि भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्ते केवल सरकारों के बीच नहीं, बल्कि दोनों देशों के लोगों और संस्कृतियों के बीच भी हैं।

ऊर्जा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर बढ़ा जोर

इन सांस्कृतिक रंगों के पीछे दौरे का असली एजेंडा पूरी तरह रणनीतिक रहा। राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ मुलाकात, प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत और फिर ऊर्जा, व्यापार, रक्षा, डिजिटल संपर्क और शिक्षा से लेकर महत्वपूर्ण खनिजों तक दोनों देशों ने रिश्तों को नई दिशा देने पर चर्चा की।

यानी एक तरफ योग और संस्कृति के जरिए दिलों को जोड़ा गया, तो दूसरी तरफ यूरेनियम, ऊर्जा और रणनीतिक सहयोग के जरिए भारत के हितों को साधा गया।

विदेश मंत्रालय के सचिव सिबी जॉर्ज ने बताया कि उज्बेकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन और संयुक्त राष्ट्र में भारत का एक अहम साझेदार है तथा ब्रिक्स में भी एक सहयोगी देश है। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों तथा बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया। बातचीत के बाद एक आधिकारिक समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 11 समझौता ज्ञापनों और समझौतों का आदान-प्रदान किया गया।

अब बिश्केक में रूस-चीन के साथ कूटनीतिक दांव

अब ताशकंद से प्रधानमंत्री मोदी का अगला पड़ाव बिश्केक है। ताशकंद में द्विपक्षीय रिश्तों की जमीन तैयार करने के बाद अब बिश्केक में प्रधानमंत्री मोदी के सामने पूरा मध्य एशिया होगा। शंघाई सहयोग संगठन के 26वें शिखर सम्मेलन में भारत की प्राथमिकता सुरक्षा, संपर्क और अवसर पर रहेगी।

ऐसे में सवाल है कि बिश्केक में मोदी-पुतिन मुलाकात से रूस के साथ रिश्तों को लेकर कोई बड़ा संदेश निकलने वाला है? क्या चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत से भारत-चीन रिश्तों में नई तस्वीर बनने वाली है? क्या शंघाई सहयोग संगठन के मंच से भारत आतंकवाद, संपर्क और क्षेत्रीय सुरक्षा पर अपनी शर्तें रखने वाला है?क्योंकि ताशकंद में भारत ने मध्य एशिया के एक अहम साझेदार के साथ रिश्ते मजबूत किए हैं और अब बिश्केक में उसी मध्य एशिया के सबसे बड़े बहुपक्षीय मंच पर भारत की बारी है।

ताशकंद में दोस्ती और ऊर्जा का दांव और बिश्केक में सुरक्षा तथा रणनीति का इम्तिहान0प्रधानमंत्री मोदी का यह मध्य एशिया दौरा केवल दो देशों की यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा से लेकर सुरक्षा तक और संस्कृति से लेकर कूटनीति तक, मध्य एशिया में भारत की नई मौजूदगी का रोडमैप माना जा रहा है।

ताशकंद की कहानी यहीं खत्म नहीं होती, क्योंकि भारत की असली रणनीति केवल उज्बेकिस्तान तक पहुंच बनाने की नहीं है। ताशकंद के बाद प्रधानमंत्री मोदी बिश्केक पहुंच गए हैं, जहां शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और मध्य एशिया के तमाम बड़े नेता एक ही मंच पर होंगे। इसी मंच पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद रहेंगे।

बिश्केक में होने वाला शंघाई सहयोग संगठन का 26वां शिखर सम्मेलन यूरेशिया यानी यूरोप और एशिया के एक बड़े हिस्से को कवर करता है। भारत वर्ष 2017 से शंघाई सहयोग संगठन का स्थायी और पूर्ण सदस्य है।

इस मंच पर प्रधानमंत्री मोदी सुरक्षा, संपर्क और अवसर का भारत का दृष्टिकोण रखेंगे। भारत इस मंच का उपयोग आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद के खिलाफ क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए करेगा, जो मध्य एशिया और भारत दोनों की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मौजूद हैं। रूस के साथ भारत की द्विपक्षीय बैठक रणनीतिक रूप से बेहद अहम मानी जा रही है।

केंद्र ने एक देश...

कई महत्वपूर्ण तंत्र सटीक समय और समय-मुद्रण पर निर्भर करते हैं।अलग-अलग समय स्रोत इस्तेमाल किए जाने की स्थिति में समय में मामूली अंतर भी लेन-देन की रिकॉर्डिंग और अलग-अलग प्रणालियों के बीच तालमेल को प्रभावित कर सकता है। सरकार का कहना है कि नए नियमों का मकसद देश की महत्वपूर्ण प्रणालियों में सटीक और एक समान भारतीय मानक समय का इस्तेमाल सुनिश्चित करना है।

बैंकिंग से रेलवे तक होगा इस्तेमाल

साझा समय संदर्भ लागू होने से बैंकिंग और डिजिटल भुगतान लेन-देन की सटीक समय-मुद्रांकन में मदद मिलेगी। इसके अलावा रेलवे, हवाई अड्डों और अन्य परिवहन प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जा सकेगा।

दूरसंचार और इंटरनेट नेटवर्क के भरोसेमंद संचालन, बिजली व्यवस्था में सटीक समय-निर्धारण तथा सरकारी एवं कानूनी रिकॉर्ड के रखरखाव में भी भारतीय मानक समय को साझा संदर्भ के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा आपातकालीन और समय के लिहाज से संवेदनशील अन्य सेवाओं के बेहतर समन्वय में भी यह व्यवस्था महत्वपूर्ण होगी।

भारतीय समय स्रोत पर बढ़ेगा जोर

सरकार देशभर में सटीक भारतीय मानक समय उपलब्ध कराने के लिए भारतीय संस्थानों और विधिक मापविज्ञान प्रयोगशालाओं के माध्यम से आवश्यक आधारभूत ढांचा भी विकसित कर रही है।नए नियमों में भारत के अपने उपग्रह नौवहन तंत्र ङ्गनाविकफ और अन्य स्वीकृत भारतीय समय स्रोतों के इस्तेमाल का भी प्रावधान किया गया है। इनका इस्तेमाल सुरक्षित एवं भरोसेमंद तरीके से सटीक समय उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा।

चीनी जनरल...

चीन में शीर्ष स्तर के जनरलों और नेताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने के मामले भी सामने आते रहे हैं।अब बात उस महत्वाकांक्षी चीनी जनरल की, जिसने दो बार भारत से टकराव लेने की कोशिश की0हली बार डोकलाम में वर्ष 2017 और दूसरी बार गलवान में वर्ष 2020 के दौरान। इस जनरल का नाम झाओ जोंगकी था।

झाओ जोंगकी उस समय चीन के पश्चिमी थिएटर कमान के प्रमुख थे। वे दिसंबर 2020 तक पश्चिमी थिएटर के कमांडर रहे। इसलिए वर्ष 2017 में डोकलाम में चीनी और भारतीय सैनिक आमने-सामने आए और जून 2020 में लद्दाख संकट गलवान झड़प में बदला, तब पश्चिमी थिएटर की कमान झाओ जोंगकी के हाथों में थी।

उस समय चीनी सेना की रिपोर्टिंग में पश्चिमी थिएटर को देश की पश्चिमी रणनीतिक दिशा के लिए जिम्मेदार बताया गया था और झाओ को उसका मुख्य कमांडर बताया जाता था।

शी जिनपिंग ने छीनी झाओ जोंगकी की राजनीतिक ताकत

चीन में हुए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने झाओ जोंगकी की राजनीतिक ताकत को कम कर दिया है। राजनीतिक भाषा में इसे ङ्गसफाया अभियानफ कहा जाता है।

झाओ जोंगकी दिसंबर 2020 में ही पश्चिमी थिएटर कमान के प्रमुख पद से हट चुके थे। अब जिनपिंग ने उनके राजनीतिक अधिकारों में भी कटौती की है। जिनपिंग ने झाओ को चीन की शीर्ष राजनीतिक सलाहकार संस्था चीनी जन राजनीतिक परामर्श सम्मेलन से हटा दिया है। उनके दो अन्य राजनीतिक पद भी छीन लिए गए हैं।

दिलचस्प बात यह है कि बीजिंग ने उनकी बर्खास्तगी या पद से हटाए जाने की कोई वजह सार्वजनिक नहीं की है। अत्यधिक गोपनीयता और जवाबदेही का अभाव चीन की शासन प्रणाली का हिस्सा माना जाता है।

शी जिनपिंग पिछले कई वर्षों से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के शीर्ष नेतृत्व में बड़े पैमाने पर बदलाव कर रहे हैं। भ्रष्टाचार, सैन्य खरीद में गड़बड़ी और पार्टी के प्रति वफादारी को लेकर दर्जनों वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के घेरे में आ चुके हैं।

पार्टी के प्रति निष्ठा ज्यादा अहम?

अमेरिकी अखबार द वॉशिंगटन पोस्ट ने झाओ जोंगकी को चीन-भारत सीमा संघर्ष के दौरान चीन की सेना के शीर्ष कमांडरों में से एक बताया था। अखबार के अनुसार वे उन गिने-चुने चीनी जनरलों में शामिल थे, जिनके पास वास्तविक युद्ध का अनुभव था।

चीन भले ही बड़ी सेना रखता है, लेकिन उसके कई जनरलों के पास युद्ध का व्यावहारिक अनुभव नहीं है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी के चीन मामलों के पूर्व वरिष्ठ विश्लेषक डेनिस वाइल्डर के हवाले से द वॉशिंगटन पोस्ट ने लिखा है कि शी जिनपिंग की कार्रवाई में ऐसे नाम भी शामिल हैं, जो कभी न कभी किसी बड़े जनरल से जुड़े रहे हैं।

वाइल्डर के अनुसार, शी जिनपिंग न केवल उन बड़े जनरलों को हटाते हैं, जिन्हें वे वफादार नहीं मानते, बल्कि उनके अधीन काम करने वाले अधिकारियों को भी हटा देते हैं। उनके अनुसार यह सिलसिला तब तक जारी रहने की संभावना है, जब तक शी को यह भरोसा न हो जाए कि उन्होंने सेना के भीतर झांग यूशिया के प्रभाव को पूरी तरह खत्म कर दिया है।

पिछले वर्ष ऐसी अफवाहों के बीच झोंग लोगों की नजरों से ओझल हो गए थे कि शी जिनपिंग की नजर में उनकी अहमियत कम हो गई है।

वाइल्डर ने कहा कि झोंग को हटाना ङ्गहैरान करने वालाफ था, लेकिन यह शी जिनपिंग के उस तौर-तरीके से मेल खाता है, जिसके तहत वे ऐसे अधीनस्थ अधिकारियों को हटा देते हैं, जिनकी वफादारी कहीं और होती है।

झांग यूशिया और झाओ जोंगकी का कनेक्शन

राष्ट्रपति जिनपिंग ने चीन के प्रभावशाली सैन्य नेतृत्व पर कार्रवाई की इस कड़ी में एक और ताकतवर नेता झांग यूशिया पर भी कार्रवाई की है। झांग यूशिया और झाओ जोंगकी का सैन्य संबंध भी चर्चा में है।

झाओ जोंगकी ने अपने लंबे सैन्य करियर में झांग यूशिया के अधीन काम किया था। हाल की चीनी भाषा की रिपोर्टों में दावा किया गया है कि झाओ कभी झांग यूशिया के स्टाफ अधिकारी रहे थे।

इससे यह जरूर पता चलता है कि दोनों का सैन्य करियर एक-दूसरे से जुड़ा हुआ था, लेकिन इससे अपने आप यह साबित नहीं होता कि झाओ किसी ङ्गझांग गुटफ के सदस्य थे। गौरतलब है कि चीन में इस प्रकार की सूचनाएं आमतौर पर सार्वजनिक नहीं हो पाती हैं।

झांग यूशिया चीन की सेना में बेहद प्रभावशाली व्यक्ति रहे हैं। वे शी जिनपिंग के शुरुआती दौर में उनके करीबी सैन्य सहयोगियों में गिने जाते थे और केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष तक पहुंचे। लेकिन वर्ष 2026 में स्वयं झांग यूशिया पर गंभीर अनुशासनात्मक एवं कानूनी उल्लंघनों को लेकर जांच हुई और 28 अगस्त को उन्हें केंद्रीय सैन्य आयोग से हटा दिया गया।

ड्राइवर ने ...

ट्रेन में रखा मोबाइल, बदलती रही लोकेशन

पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद आरोपी रवि ने धीरेंद्र प्रताप सिंह का मोबाइल ट्रेन में रख दिया था। इसका मकसद पुलिस को गुमराह करना और धीरेंद्र की वास्तविक लोकेशन छिपाना था। मोबाइल ट्रेन के साथ आगे बढ़ता रहा, जिससे उसकी लोकेशन भी लगातार बदलती रही।

जांच एजेंसियों को शुरुआती तौर पर मोबाइल की लोकेशन से जो जानकारी मिल रही थी, उससे भी भ्रम की स्थिति बनी रही। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज और रवि के बयानों में मेल नहीं होने के बाद पुलिस ने तकनीकी जानकारी के साथ उसके दावों की पड़ताल की।

पूछताछ में सामने आया कि रवि ने अपने दो दोस्तों को बुलाकर धीरेंद्र प्रताप सिंह की गोली मारकर हत्या की थी। धीरेंद्र को दो गोलियां मारी गईं, जिनमें एक सिर और दूसरी पेट में लगी। इसके बाद हत्या को छिपाने और जांच को भटकाने के लिए मोबाइल को ट्रेन में रख दिया गया।

ऐसे खुला हत्या की साजिश का राज

पुलिस को रवि की कहानी पर तब शक हुआ, जब उसके बताए समय पर प्लासियो मॉल में धीरेंद्र या उनकी गाड़ी की कोई मौजूदगी नहीं मिली। इसके बाद पूछताछ का सिलसिला तेज किया गया। पुलिस के दबाव में रवि ने कथित तौर पर हत्या की पूरी घटना का खुलासा कर दिया।

इस मामले में अब पुलिस रवि के साथ शामिल उसके दोनों साथियों की भूमिका और हत्या के पीछे की पूरी वजह की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात की साजिश कब और कैसे तैयार की गई थी।

धीरेंद्र प्रताप सिंह की हत्या के बाद पुलिस पहले से ही मामले की जांच में जुटी थी। अब ड्राइवर रवि के कथित कबूलनामे के बाद जांच को अहम सुराग मिला है। पुलिस हत्या में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

पत्नी ने लगाया था अपहरण का आरोप

बता दें कि लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में हिंदुत्ववादी नेता धीरेंद्र प्रताप सिंह का शव दुबग्गा के पास नहर से बरामद किया गया था। पुलिस के मुताबिक, उन्हें गोली मारी गई थी और हत्या के बाद शव नहर में फेंक दिया गया। धीरेंद्र प्रताप सिंह लखनऊ के पीजीआई इलाके में रह रहे थे और मूल रूप से उन्नाव के निवासी थे।

मामले में धीरेंद्र की पत्नी ममता सिंह ने पुलिस को तहरीर दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पति का ड्राइवर उन्हें अगवा करके ले गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और मामले की छानबीन शुरू की। जांच आगे बढ़ी तो पुलिस को धीरेंद्र की हत्या से जुड़े अहम सुराग मिले।

पुलिस ने तलाश के दौरान नहर से धीरेंद्र प्रताप सिंह का शव बरामद कर लिया। उनकी फॉर्च्यूनर गाड़ी भी बरामद की गई है। शुरुआती तौर पर आशंका जताई गई थी कि हत्या के बाद शव को गाड़ी के जरिए नहर तक ले जाकर फेंका गया।

ड्राइवर ने साथियों संग दिया वारदात को अंजाम

दक्षिणी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त मोहम्मद मुस्ताक ने बताया कि जांच में सामने आया है कि धीरेंद्र प्रताप सिंह की हत्या उनके ड्राइवर ने अपने साथियों के साथ मिलकर की। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने गोली मारकर वारदात को अंजाम दिया और इसके बाद शव को नहर में फेंक दिया। पुलिस जांच में हत्या की वजह उन्नाव में चल रहा जमीन का विवाद सामने आया है। बताया जा रहा है कि इसी विवाद को लेकर धीरेंद्र प्रताप की हत्या की साजिश रची गई। हालांकि, पुलिस पूरे घटनाक्रम और इसमें शामिल सभी लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

इस मामले में आरोपी ड्राइवर समेत दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या की साजिश में और कौन-कौन लोग शामिल थे। पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छह पुलिस टीमें कर रहीं आरोपियों की तलाश

दक्षिणी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि घटना के पूरी तरह खुलासे के लिए छह पुलिस टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस ने कहा है कि वारदात में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। हिरासत में लिए गए आरोपियों से पूछताछ के अलावा अन्य संदिग्धों की जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर हत्या की पूरी कड़ी को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। दक्षिणी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त मोहम्मद मुस्ताक ने कहा कि मामले में जो भी लोग शामिल हैं, उनकी गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस की छह टीमें आरोपियों की तलाश में अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रही हैं। नहर से शव और फॉर्च्यूनर बरामद होने के बाद जांच को अहम दिशा मिली है।

राहुल के ...

दरअसल, 8 अगस्त को हल्द्वानी में कांग्रेस की एक रैली आयोजित हुई थी। इसके बाद एक हिंदूवादी संगठन की ओर से रामलीला मैदान में शुद्धिकरण यज्ञ किया गया था।आयोजकों की ओर से दावा किया गया था कि रामलीला मैदान में फैली गंदगी और वहां कथित तौर पर लगाए गए सांप्रदायिक नारों के विरोध में यह शुद्धिकरण यज्ञ किया गया। वहीं कांग्रेस ने इस शुद्धिकरण को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की दलित पहचान से जोड़ते हुए इसका विरोध किया था।इसके बाद इस मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई थी। राहुल गांधी ने भी शुद्धिकरण यज्ञ को दलित विरोधी बताते हुए इस पर निशाना साधा था। अब उनकी इसी टिप्पणी को आधार बनाते हुए हल्द्वानी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई है।शिकायतकर्ता अमित कुमार ने राहुल गांधी पर अनुसूचित वर्ग की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 31 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

ज्ञानशाला दिवस का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी आदि ठाणा-2 के सानिध्य में हैदराबाद के तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में ज्ञानशाला दिवस का भव्य आयोजन किया गया।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, महासभा ज्ञानशाला प्रकोष्ठ द्वारा निर्देशित एवं श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में नगर त्रय में संचालित सभी 20 ज्ञानशालाओं का सामूहिक आयोजन अत्यंत उत्साहपूर्वक किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसके साथ ही आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मंचीय प्रस्तुतियां दी गईं। इसी क्रम में ङ्ज्ञान वाटिकाफ कला प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

परामर्शक अंजू बैद ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुनि द्वय के मंगल मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इसके पश्चात ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं द्वारा ज्ञानशाला गीत एवं मंगलाचरण का संगान किया गया।शिवरामपल्ली ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों द्वारा खूबसूरत नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई। ज्ञानशाला की वार्षिक रिपोर्ट क्षेत्रीय संयोजक श्रीमती संगीता गोलछा द्वारा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर बताया गया कि वर्ष 2025 में महासभा ज्ञानशाला प्रकोष्ठ द्वारा हैदराबाद की ज्ञानशाला को ङ्श्रेष्ठ ज्ञानशालाफ पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके लिए गुरुदेव के प्रति अनंत कृतज्ञता के भाव व्यक्त किए गए।

वर्षभर संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की रिपोर्ट पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित की गई। ज्ञानार्थियों द्वारा

कव्वाली के रूप में आकर्षक मंचीय प्रस्तुति दी गई। वहीं ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं द्वारा शिशु संस्कार भाग-1 से भाग-5 तक की विषय-वस्तु को शब्द-चित्र के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में ज्ञानशालाओं का उत्साहवर्धन करते हुए ङ्ज्ञानशाला है जागरण की प्रयोगशालाफ विषय पर सारगर्भित विचार रखे।

मुनि श्री ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ में ज्ञानशाला एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति है, जिसमें हजारों की संख्या में बच्चे संस्कार एवं ज्ञान प्राप्त करते हैं। पूरे देश में हजारों प्रशिक्षिकाएं निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य, गणाधिपति गुरुदेव तुलसी, महाप्रज्ञजी तथा वर्तमान आचार्य महाश्रमणजी से इस प्रवृत्ति को निरंतर पोषण एवं मार्गदर्शन मिलता रहा है।

मुनि श्री ने बच्चों को एक कहानी के माध्यम से क्रोध, लालच, भय एवं रोग को पराजित करने के लिए बुद्धि, लज्जा, हिम्मत एवं तंदुरुस्ती को जीवनशैली में शामिल करने की कला सीखने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार स्कूली शिक्षा बच्चों के जीवन के लिए आवश्यक है, जिससे वे आगे चलकर अपना करियर उन्नत कर सकते हैं, उसी प्रकार बचपन में दिए गए ज्ञानशाला के संस्कार जीवन को सार्थक एवं सफल दिशा प्रदान कर सकते हैं।

मुनि श्री ने कहा कि हैदराबाद में ज्ञानशाला सभा के अंतर्गत बहुत ही सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से चल रही है, जिसमें प्रशिक्षिकाओं का बहुत बड़ा योगदान है।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में ज्ञान वाटिका कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन जैन वेलफेयर सोसाइटी के नवमनोनित चेयरपर्सन बाबूलालजी बैद एवं महासभा सदस्य लक्ष्मीपतजी बैद ने किया।

प्रदर्शनी में प्रशिक्षिकाओं द्वारा बनाए गए लोक के दृश्य, 25 बोल की चित्र प्रदर्शनी, आचार्य भिक्षु के जन्म से संबंधित मॉडल एवं आध्यात्मिक खेल रखे गए। श्रावक समाज एवं बच्चों ने प्रदर्शनी को उत्साहपूर्वक देखा तथा आध्यात्मिक खेलों में भी सहभागिता की। ज्ञानशाला द्वारा लगाई गई इस ज्ञान वाटिका की सभी दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

ज्ञानशाला दिवस के इस आकर्षक कार्यक्रम में सभा के पूर्व अध्यक्ष बाबूलालजी बैद, गणमान्य व्यक्ति लक्ष्मीपतजी बैद, उपाध्यक्ष हुक्मीचंदजी कोटेचा, मंत्री हेमंतजी संचेती, महिला मंडल अध्यक्ष नमिताजी सिंघी, युवक परिषद अध्यक्ष विनोदजी दूगड़, टीपीएफ अध्यक्ष वीरेंद्रजी घोषल, ज्ञानशाला विभाग में सभा प्रभारी अरिहंत गुजरानी, ज्ञानशाला परामर्शक अंजू बैद, सीमाजी दस्सानी, आंचलिक संयोजक सरोजजी लोढ़ा, सहसंयोजक यशोदाजी कोठारी, क्षेत्रीय संयोजक संगीता जी गोलछा, मुख्य प्रशिक्षक पुष्पाजी बरडिया, परीक्षा व्यवस्थापक सरिताजी नखत, क्षेत्रीय सहसंयोजक बीनूजी नाहटा, सुरभी सिंघी, निशाजी दुगड़, मुख्य प्रशिक्षिका उषाजी सुराणा, अंजूजी गोलछा, प्रेमजी संचेती सहित सभी 20 ज्ञानशालाओं की प्रशिक्षिकाएं एवं ज्ञानार्थी उपस्थित रहे।

ज्ञानशाला दिवस के आयोजन के लिए आर्थिक सहयोग श्री राकेशजी पुगालिया एवं साहिल मेघा पुगालिया परिवार की ओर से रहा।

कार्यक्रम का मंच संचालन काचीगुड़ा ज्ञानशाला की स्थानीय संयोजक प्रभाजी नाहटा ने किया।

ज्ञानशाला दिवस के विभिन्न कार्यक्रमों के सफल समायोजन में प्रमिलाजी पोखरणा, वीनूजी नाहटा, निशाजी दुगड़, मधुजी कोठारी, सीमाजी पोखरणा, अर्पणा लूनिया, सुचिताजी बोथरा, यशोदाजी, समताजी दोसी, सुमनजी चौरडिया, सरिताजी नखत, नीतू ढेलरिया, रेखाजी मांडोत, ऊषाजी सुराणा एवं शिल्पाजी सुराणा सहित अन्य प्रशिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।गीत गायन में मोनिकाजी भंसाली, वीनू नाहटा, जूली बैद एवं परीक्षा बैद ने सहयोग दिया। सभी कार्यक्रमों के व्यवस्थित एवं सुचारू संचालन में परामर्शक सीमाजी दस्सानी का भरपूर सहयोग रहा। उपासिका रेखा संकलेचा ने मॉडल्स के माध्यम से लोक की विस्तृत जानकारी प्रदान की।जैन तेरापंथ न्यूज से मिनाक्षीजी सुराणा का भी विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद द्वारा बच्चों के लिए निःशुल्क आई कैंप का आयोजन किया गया। इसमें उपस्थित बच्चों एवं अन्य लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई।

इस अवसर पर सभा सदस्यों अरिहंत गजरानी, निर्मलजी बैंगानी एवं प्रकाशजी दफ्तरी का भी भरपूर सहयोग रहा।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज की ओर से राजस्थानी ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम लाला एवं कोषाध्यक्ष भरत चांडा को भाजपा तेलंगाना प्रदेश ट्रेड सेल के संयुक्त सह-संयोजक पद पर नियुक्त किए जाने पर सम्मानित किया गया। समाज के अध्यक्ष श्यामसुंदर उपाध्याय एवं उपाध्यक्ष रामदेव नागला ने शॉल एवं माला पहनाकर दोनों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर महामंत्री मुरलीधर तिवाड़ी, प्रचार मंत्री जुगलकिशोर उपाध्याय, रामदेव व्यास बिराटिया, श्रीलाल पारीक, अर्जुन थानवी, संदीप जायलवाल, विजय शर्मा पांडिया एवं विनोद पांडिया सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की अति विशेष बैठक आयोजित

20 सितंबर को परिचय सम्मेलन आयोजित करने का लिया गया निर्णय

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की अति विशेष बैठक समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर में कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में आगामी 20 सितंबर को परिचय सम्मेलन आयोजित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

बैठक में मैरेज डेटा कमिटी में सुधार लाने के उद्देश्य से उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इनमें कमिटी की बैठक रविवार के अतिरिक्त सप्ताह के किसी अन्य दिन भी आयोजित करना, विशेष रूप से बालिकाओं के बायोडेटा को गोपनीय रखना, समाज की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों को मैरेज डेटा कमिटी के साथ जोड़ना तथा अग्रबंधुओं के बीच कमिटी के प्रति विश्वास कायम करना आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

महत्वपूर्ण सुझावों पर होगा विचार-विमर्श

बैठक में निर्णय लिया गया कि उपरोक्त सभी सुझावों पर मैरेज डेटा कमिटी में विस्तृत विचार-विमर्श कर उन्हें पारित करने की दिशा में आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। सदस्यों ने कमिटी की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं उपयोगी बनाने पर विशेष जोर दिया।

पदाधिकारी एवं सदस्य रहे उपस्थित

बैठक में समाज के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, मैरेज कमिटी के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल, कन्वीनर अशोक जिंदल, वाइस चेयरमैन पंकज संघी, उमा शंकर अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, सुनील मोदी, रानी मित्तल, बबीता अग्रवाल, संगीता गोयल, सभी जोन प्रमुख सुरेश कुमार टंडन, मैरेज डेटा कमिटी के पूर्व चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्वीनर रमेश तुलसियान, राजेश गोयल, दिलीप पसारी, श्रीनिवास बंसल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, दिनेश मोदी, सुरेश मित्तल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, नीरज केडिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

गौ सेवा और अन्नदान से जगाई मानवता की अलख : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौ सेवा, अन्नदान और जरूरतमंदों की सहायता के माध्यम से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद समाज में मानवता और संवेदना की अलख जगा रहा है। ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य समाज को यह संदेश दे रहे हैं कि सच्ची भक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद की सेवा और जीव मात्र के प्रति करुणा में भी ईश्वर का वास है।

बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि गौ सेवा के साथ मानव सेवा और पशु-पक्षियों की सेवा करना राधे-राधे ग्रुप का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सेवा के लिए न कोई जाति देखी जाती है, न धर्म और न ही संप्रदाय। जो जरूरतमंद है, उसकी सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। अन्न का एक निवाला किसी भूखे व्यक्ति के लिए केवल भोजन नहीं, बल्कि उसके जीवन में उम्मीद और अपनत्व का संदेश होता है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि आज समाज को विकास के साथ संवेदनशीलता की भी आवश्यकता है। हमारे आसपास यदि कोई भूखा, असहाय या जरूरतमंद है तो

उसकी सहायता करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है। इसी प्रकार गौ माता, पशु-पक्षियों और अन्य जीवों के प्रति दया और करुणा रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान केवल भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में मानवता को जागृत करने का एक सतत प्रयास है। सेवा के माध्यम से लोगों को जोड़ना, जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाना और जीव मात्र के प्रति प्रेम की भावना पैदा करना ही इस अभियान की सार्थकता है।

उन्होंने समाज के सभी लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़ें। किसी भूखे को भोजन, किसी प्यासे को पानी, किसी गौ माता को चारा और किसी जरूरतमंद को सहयोग देना भी समाज के लिए एक बड़ा योगदान है।

कार्यक्रम में अनिल धरसुवाले अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे और अन्नदान सेवा में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

अग्रवाल समाज कुकटपल्ली (पूर्वांचल) शाखा की सावन की सैर का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की कुकटपल्ली (पूर्वांचल) शाखा द्वारा रविवार, 30 अगस्त 2026 को ब्राउन टाउन रिसॉर्ट, मोईनाबाद में सावन की सैर का भव्य एवं आनंदमय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाखा के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पूरे दिन विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात महिलाओं एवं समाज के सदस्यों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ खेलों में हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

दोपहर के समय सभी सदस्यों के लिए स्वादिष्ट एवं विविध प्रकार के भोजन की व्यवस्था की गई। इसके पश्चात शाम को हाई-टी का आयोजन किया गया। सदस्यों ने आपसी मेल-मिलाप, मनोरंजन एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सावन की सैर का भरपूर आनंद लिया।

केंद्रीय टीम की विशेष उपस्थिति ने बढ़ाई कार्यक्रम की गरिमा

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय टीम की ओर से श्रीमती सीमा जैन की विशेष उपस्थिति एवं मार्गदर्शन ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने महिलाओं की सहभागिता, सामाजिक एकजुटता तथा इस प्रकार के सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में शाखा के कोषाध्यक्ष श्री राधेश्याम गोयल ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। सावन की सैर का यह आयोजन आपसी भाईचारे, महिला सहभागिता एवं सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण रहा। सभी सदस्यों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे यादगार बताया।

अग्रवाल समाज का रक्षा बंधन समारोह आज

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा रक्षा बंधन समारोह आज सोमवार को आयोजित किया जाएगा। समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज में पहली बार महिला शक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा यह समारोह अपने आप में एक अनोखा आयोजन है।

कार्यक्रम अग्रवाल समाज के सिकंदराबाद स्थित बैंक्वेट हॉल में मध्याह्न 12.30 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा। सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेनजी की पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसके पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।

समारोह के दौरान सर्वश्रेष्ठ थाली सजावट एवं हस्तनिर्मित राखी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी श्री शंकर लाल अग्रवाल, श्रीमती उर्मिला अग्रवाल एवं श्रीमती सुनीता अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता के विजेत-ाओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

जिन अग्र महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अपने फॉर्म भरे हैं, उन्हें समय के अनुसार अलग-अलग स्लॉट दिए गए हैं। उनसे आग्रह किया गया है कि वे अपने निर्धारित स्लॉट के समय पर ही कार्यक्रम स्थल पर पधारें।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोकगीत गायिका स्वाति दाहिमा द्वारा गीत एवं संगीत कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। रक्षा बंधन कार्यक्रम के मुख्य संयोजक प्रमुख समाजसेवी श्री सांवर मल अग्रवाल हैं।

बैंक्वेट हॉल के चेयरमैन श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (सीएसके) ने अग्रवाल समाज के सभी पदाधिकारियों, परामर्शदाताओं, अग्रबंधुओं एवं अग्र महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया है।

समारोह में उपस्थित सभी लोगों के लिए स्वादिष्ट भोजन की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा की राज्य कार्यकारिणी बैठक संपन्न

संगठन को मजबूत बनाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

महबूबनगर, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना की राज्य कार्यकारिणी बैठक आज महबूबनगर में भव्यता के साथ संपन्न हुई।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश चौहान जैन ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व के आदेश एवं राष्ट्रीय मार्गदर्शन के तहत आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने की।

बैठक में महबूबनगर सांसद एवं पूर्व मंत्री श्रीमती डी.के. अरुणा, भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंद्र राव तथा भाजपा तेलंगाना की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी श्रीमती जयश्री विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर किया गया। इसके पश्चात सभी पदाधिकारी बैठक कक्ष की ओर प्रस्थान किए।

प्रदेश महासचिव श्री रजनीश जैन ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम प्रारंभ करने का निवेदन किया। तत्-पश्चात सभा का संचालन करते हुए तीन प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने करतल ध्वनि के साथ पारित किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने तेलंगाना के 24 जिलों से पधारे सभी जिला अध्यक्षों का स्वागत किया तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार अपराध, भ्रष्टाचार एवं कमीशन की नीति पर चल रही है तथा चुनाव के दौरान किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की फीस रीइंबर्समेंट, शादी मुबारक योजना तथा अल्पसंख्यक

विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा से संबंधित वादों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस सरकार को विभिन्न मोर्चों पर विफल बताया।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती डी.के. अरुणा ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है और चुनाव के दौरान किए गए वादों को अब तक पूरा नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि जनता को गुमराह कर सरकार बनाई गई है और ऐसी सरकार को लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता से हटाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक अल्पसंख्यकों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। वहीं, उन्होंने वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अल्पसंख्यकों के लिए विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचने का दावा करते हुए कहा कि ङ्गसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासफ की नीति के तहत सभी नागरिकों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में मजबूती से खड़े रहने तथा आगामी चुनावों में तेलंगाना में भाजपा को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंद्र राव ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यवहार किया है। उन्होंने वर्ष 1984 के सिख दंगों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस की नीतियों की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयान के बावजूद अल्पसंख्यकों के लिए अपेक्षित कार्य नहीं किए गए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना एवं उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का दावा किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले केंद्र में और अब राज्य में भी हिंदू, मुस्लिम एवं सिख समुदायों के बीच विभाजन की राजनीति कर रही है। उन्होंने तेलंगाना में डबल इंजन की सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे राज्य के विकास की गति को आगे बढ़ाया जा सकेगा। उन्होंने अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं से छोटे-छोटे सम्मेलनों के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रत्येक समुदाय तक पहुंचाने का आग्रह किया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती जयश्री ने कहा कि केवल पद प्राप्त कर विजिटिंग कार्ड बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पद की गरिमा के अनुरूप पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों से अपनी-अपनी समितियों का गठन कर भाजपा को प्रत्येक क्षेत्र में मजबूत बनाने और चुनावों में सफलता दिलाने के लिए सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अफसर पाशा, महासचिव हरप्रीत सिंह गुलाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष शाहजहां, उपाध्यक्ष प्रदीप सुराना जैन, रीदा कुद्दूस सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी सभा को संबोधित किया।

कार्यक्रम के अंत में अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, जनरल सेक्रेटरी रजनीश जैन, जनरल सेक्रेटरी हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष प्रदीप सुराना, शाहजहां, मोना सिंह एवं समी खान, सेक्रेटरी सतपाल सिंह, जूली बेन्नेला, मोहिंदरपाल सिंह एवं मोहम्मद गजनी, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह टुटेजा, मीडिया कन्वीनर मुकेश जैन चौहान, कार्यालय सचिव सुमीत माखीजा, सविता सोनी, रीदा कुद्दूस, अवाइस मिर्जा, गुरुचरण सिंह, गुरदीप सिंह अरोरा, मंजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, दर्शन सिंह, शेख शाहबाज, फरनाज सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।.

अयोध्या में जमीन वापस मिली तो भी मुसलमान नमाज नहीं पढ़ेंगे: ओवैसी

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में दिए गए हिंदू-मुस्लिम एकता संबंधी बयान पर तीखा हमला बोला। ओवैसी ने इसे वैश्विक दर्शकों के लिए रटंत और आरएसएस सदस्यों के लिए डॉग व्हिसल करार दिया। उन्होंने कहा कि अयोध्या के मंदिर में आवंटित जमीन पर अगर ङ्गबाबरी मस्जिदफ भी बन जाए, तो भी मुसलमान वहां नमाज नहीं पढ़ेंगे।

भागवत के बयानअगर कोई हिंदू सोचता है कि भारत में कोई मुसलमान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रहेगाका जवाब देते हुए ओवैसी ने कहा कि यह आरएसएस की पुरानी चाल है। कुछ शब्द दुनिया के लिए होते हैं और कुछ अपने सदस्यों के लिए।

अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में ओवैसी ने आरएसएस पर दोहरी नीति बनाए रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आरएसएस के औपचारिक सार्वजनिक बयान उसकी मूल विचारधारा से मेल नहीं खाते। आरएसएस ने कभी अपने प्रमुख विचारकों और लेखकों से औपचारिक रूप से दूरी नहीं बनाई। उन्होंने विशेष रूप से एम.एस. गोलवलकर और संस्थापक के.बी. हेडगेवार का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में मुसलमानों और ईसाइयों को भारत के लिए आंतरिक खतरा बताया गया है।

सावरकर, हेडगेवार और गोलवलकर की रचनाओं के अंश सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाएं

ओवैसी ने आरएसएस प्रमुख को चुनौती दी कि वे वी.डी. सावरकर, हेडगेवार और गोलवलकर की रचनाओं के अंश खुले तौर पर पढ़कर सुनाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से नागरिकों को अल्पसंख्यकों और लोकतंत्र के प्रति आरएसएस की असली, बिना लाग-लपेट वाली विचारधारा का पता चल जाएगा।

यह प्रतिक्रिया बढ़ते राजनीतिक हमलों के बीच आई है। हाल ही में ओवैसी ने केंद्र सरकार पर विपक्षी नेताओं, खासकर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को विदेश यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी न देने और भागवत जैसे नेताओं को अमेरिका जाने की अनुमति देने के चुनिंदा रवैये पर सवाल उठाए थे। एआईएमआईएम प्रमुख ने रेवंत रेड्डी की प्रस्तावित अमेरिका यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी न देने के केंद्र के फैसले की कड़ी निंदा की थी और कहा था कि विदेश मंत्रालय का यह चुनिंदा रवैया है।

मुंबई पुलिस थानों में कथित अवैध मंदिरों के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका

बीएमसी एवं संबंधित विभागों से मंदिर निर्माण की अनुमति की जांच की मांग

मुंबई कुरार पुलिस स्टेशन परिसर में कथित अनधिकृत गणेश मंदिर .

मुंबई समता नगर पुलिस स्टेशन परिसर में कथित अनधिकृत स्वामीसमर्थ मंदिर .

याचिकाकर्ता दीपक दिलीप जगदेव एवं कानूनी एक्सपर्ट नितिन सातपुते .

मुंबई, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुंबई के कुरार और समता नगर पुलिस थानों के परिसरों में कथित अनधिकृत धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों के मुद्दे को लेकर मुंबई उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। दीपक दिलीप जगदेव ने इस मामले में अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उनकी ओर से प्रसिद्ध कानूनी विशेषज्ञ अधिवक्ता नितिन सातपुते ने याचिका दाखिल की है।

याचिकाकर्ता के अनुसार, यह याचिका क्रमांक 29757/2026 के रूप में 27 अगस्त 2026 को दायर की गई है। याचिका में यह रुख अपनाया गया है कि पुलिस थाना आम नागरिकों के लिए कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने वाला सरकारी तथा सार्वजनिक केंद्र है। ऐसे में पुलिस थाना परिसर का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप बनाए रखना आवश्यक है।

निर्माण की अनुमति और फंडिंग की जांच की मांग

याचिका में कुरार एवं समता नगर पुलिस थानों के परिसरों में धार्मिक स्थल अथवा मंदिरों के निर्माण को लेकर विभिन्न स्तरों पर जांच की मांग की गई है। इसमें यह पता लगाने का आग्रह किया गया है कि इन धार्मिक स्थलों के निर्माण के लिए नगर पालिका यानी बीएमसी, संबंधित सरकारी विभागों अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारियों से आवश्यक अनुमति ली गई थी या नहीं।

याचिका में दावा किया गया है कि पुलिस थानों के परिसरों में गुरु पूर्णिमा, स्वामी समर्थ पुण्यतिथि, जयंती तथा अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए अनुमति ली गई थी या नहीं, आयोजक कौन थे, कार्यक्रमों के लिए धन कहां से जुटाया गया तथा सरकारी पुलिस स्टेशन परिसर का धार्मिक कार्यक्रमों के लिए उपयोग करने की अनुमति किस स्तर से दी गई, इन सभी पहलुओं की जांच की मांग की गई है।

याचिका में यह भी मांग की गई है कि यदि जांच में फंड के दुरुपयोग अथवा किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता सामने आती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

अनधिकृत निर्माण पर एमआरटीपी अधिनियम के तहत कार्रवाई

याचिका में कहा गया है कि यदि जांच के दौरान यह साबित होता है कि संबंधित मंदिरों या धार्मिक स्थलों का निर्माण आवश्यक अनुमति के बिना किया गया है, तो महाराष्ट्र क्षेत्रीय एवं नगर नियोजन अधिनियम (एमआरटीपी अधिनियम) तथा अन्य लागू कानूनों के तहत जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

साथ ही, सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्माण की विधिवत जांच कर उसे अनधिकृत पाए जाने की स्थिति में नियमानुसार हटाने की मांग भी की गई है।

याचिकाकर्ता ने संबंधित पुलिस उपायुक्त एवं सहायक पुलिस आयुक्त की भूमिका की जांच करने की भी मांग की है। याचिका में दावा किया गया है कि संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में मामला लाए जाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई।

इसी के मद्देनजर याचिका में एक स्वतंत्र समिति के माध्यम से पूरे मामले की जांच कराने तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों अथवा संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है।

आम नागरिकों की असुविधा का मुद्दा भी उठाया

याचिका में पुलिस थाना परिसरों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने से आम नागरिकों को होने वाली संभावित असुविधा का मुद्दा भी उठाया गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, शिकायत दर्ज कराने, कानूनी कार्यों अथवा अन्य सरकारी कामकाज के लिए पुलिस थाने आने वाले नागरिकों को धार्मिक आयोजनों के दौरान भीड़ एवं अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कानून के समक्ष सभी समान का तर्क

याचिकाकर्ताओं ने याचिका में यह रुख अपनाया है कि पुलिस थाना किसी एक धर्म का धार्मिक केंद्र नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान रूप से कार्य करने वाला सरकारी स्थान है। इसलिए सार्वजनिक सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार के निर्माण एवं उसके उपयोग को लेकर सभी के लिए समान कानून लागू होना चाहिए।इस याचिका के माध्यम से मुंबई के कुरार एवं समता नगर पुलिस थानों के परिसरों में मौजूद कथित धार्मिक स्थलों, उनके निर्माण की अनुमति, धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन, फंडिंग तथा सरकारी भूमि के उपयोग से जुड़े मुद्दे अब अधिवक्ता नितिन सातपुते के माध्यम से मुंबई उच्च न्यायालय के समक्ष पहुंच गए हैं।

माता रानी की कृपा से ही सेवा का यह पावन सिलसिला जारी है : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद। सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण और ईश्वर की आराधना का एक पावन माध्यम है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित अन्नदान सेवा कार्य निरंतर जारी है। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने भावपूर्ण विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम जो भी सेवा कर पा रहे हैं, वह माता रानी की कृपा और सभी सेवाभावी साथियों के सहयोग का परिणाम है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन कराना अपने आप में सबसे बड़ी मानव सेवा है। जब किसी भूखे व्यक्ति के चेहरे पर भोजन मिलने के बाद संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, तो वही इस सेवा की सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का यह प्रयास किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि माता रानी के चरणों में समर्पित एक छोटी-सी सेवा है।

उन्होंने कहा कि अकेले किसी एक व्यक्ति के प्रयास से इतना बड़ा सेवा कार्य निरंतर चलाना संभव नहीं है। सभी सदस्यों और सहयोगियों की श्रद्धा, मेहनत और सहयोग से ही यह सेवा आज नियमित रूप से आगे बढ़ रही है। जिस सेवा में स्वार्थ नहीं, वहां ईश्वर का आशीर्वाद अवश्य रहता है। यही विश्वास राधे-राधे ग्रुप के प्रत्येक सेवाभावी सदस्य को निरंतर प्रेरणा देता है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि हमारा संकल्प है कि अन्नदान की यह सेवा निरंतर चलती रहे और अधिक से अधिक लोग इससे जुड़कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। भूखे को भोजन, जरूरतमंद को सहारा और हर चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची सेवा है। सेवा के इस पावन अभियान में प्रत्येक सहयोगी का योगदान अमूल्य है और यही सामूहिक भावना राधे-राधे ग्रुप को निरंतर आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, नंद गोपाल, दत्ता हुलसुर, सुरेश सिंघल, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल एवं रविंद्र शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य एवं सेवाभावी सहयोगी उपस्थित रहे।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने जुबली हिल्स सोसाइटी चुनाव का रास्ता साफ किया, रविवार को हुआ 42 प्रतिशत मतदान

हैदराबाद, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिष्ठित जुबली हिल्स कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड (जेएच-सीएचबीएस) के चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए, जिनमें लगभग 42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

मतदान प्रक्रिया रोड नंबर 71, जुबली हिल्स स्थित भारतीया विद्या भवन पब्लिक स्कूल में सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक चली।

ये चुनाव तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा चुनाव प्रक्रिया रोकने वाले अंतरिम आदेश को निरस्त करने के बाद हुए। मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरण तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जिस चरण पर चुनाव प्रक्रिया रुकी थी, वहीं से इसे फिर से शुरू करें।

चुनाव 15 निदेशक पदों के लिए हुए, जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला आरक्षित सीटें शामिल थीं, जबकि शेष सीटें सामान्य श्रेणी की थीं।

जुबली हिल्स समुदाय के कई प्रमुख सदस्यों ने अपना मतदान किया, जिनमें कजाकिस्तान के मानद महावाणिज्यदूत मीर नसीर अली खान तथा सोसाइटी सदस्य मोहम्मद मुस्ताक शामिल थे।

बोलिनेनी सीनैया पैनल के सदस्य और उम्मीदवार भी मतदान केंद्र पर मौजूद रहे। चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए और सोसाइटी सदस्यों की स्थिर भागीदारी देखी गई।

लोकशाहीर अन्ना भाऊ साठे की प्रतिमा का अनावरण

डोंगली, 30 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। डोंगली मंडल के हसन टाकली गांव में स्थानीय जनता के सहयोग से रविवार को साहित्य रत्न एवं लोकशाहीर अन्ना भाऊ साठे की प्रतिमा का अनावरण समारोह आयोजित किया गया। प्रतिमा का अनावरण विशेष अतिथियों मंद कृष्णा मादिगा, पूर्व जहीराबाद सांसद बी.बी. पाटिल, पूर्व विधायक शिंदे, गंगाराम, अरुणा एवं तारा के हस्ते किया गया।

इस अवसर पर आयोजित अनावरण समारोह में प्रमुख अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए लोकशाहीर अन्ना भाऊ साठे के जीवन एवं साहित्यिक योगदान को याद किया।

वक्ताओं ने कहा कि लोकशाहीर अन्ना भाऊ साठे का पूरा नाम तुकाराम भाऊराव साठे था। वे लेखक, लोककवि, कवि एवं समाज सुधारक के रूप में प्रसिद्ध रहे तथा उन्हें प्रथम दलित लेखकों में प्रमुख स्थान प्राप्त है।

उन्होंने अपनी कविताओं एवं साहित्य के माध्यम से उस समय के समाज की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत की। उनके साहित्य में सामाजिक परिस्थितियों, वंचित वर्गों की समस्याओं एवं जनजीवन का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

वक्ताओं ने कहा कि अन्ना भाऊ साठे साम्यवादी विचारधारा के अनुयायी थे और बाद में उन्होंने मार्क्सवाद को अपना आदर्श बनाया। उनके साहित्य एवं सामाजिक विचारों ने समाज के व्यापक वर्ग को प्रभावित किया।

समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणों ने अन्ना भाऊ साठे की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके विचारों एवं सामाजिक योगदान को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.